Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 94 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शनिवार 14 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

31 मई से पहले हर हाल में करवाएं चुनाव, हिमाचल पंचायत चुनाव पर सुप्रीम कोर्ट ने दिए आदेश

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के चुनाव को लेकर जारी विवाद पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति स्पष्ट कर दी। अदालत ने निर्देश दिया कि 31 मई से पहले हर हाल में चुनाव संपन्न कराए जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि पुनर्सीमांकन के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं के चुनाव टाले नहीं जा सकते। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाल्या बागची की खंडपीठ ने यह आदेश सुनाया। इससे पहले हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल तक चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। अब सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को लगभग एक महीने का अतिरिक्त समय दिया है। प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक और कानूनी घमासान जारी है। 31 जनवरी को पंचायतों का कार्यकाल समाप्त हो गया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य सरकार ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मामले में पूर्व में सुनवाई हो चुकी थी और शुक्रवार को फिर सुनवाई के बाद अदालत ने अपना निर्णय सुनाया। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में हिमाचल प्रदेश सरकार ने तर्क दिया कि हाल में भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा से प्रदेश को नुकसान हुआ है और कई स्थानों पर बहाली का कार्य जारी है। सरकार ने कहा कि राज्य में आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू है, ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव कराना संभव नहीं है। सरकार ने यह भी दलील दी कि आपदा प्रबंधन अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया कानून है, जबकि पंचायती राज कानून राज्य विधानसभा का है, इसलिए संसद का कानून प्राथमिकता रखता है। साथ ही यह भी कहा गया कि हाईकोर्ट द्वारा तय की गई समयसीमा पर्याप्त नहीं है और चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद अब यह स्पष्ट हो गया है कि 31 मई से पहले प्रदेश में पंचायत और शहरी निकाय चुनाव कराना अनिवार्य होगा।

हिमाचल में निजी भूमि पर सूखे-गले खैर कटान पर कोई प्रतिबंध नहीं

शिमला। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश में निजी भूमि पर सूखे, गिरे, फफूंदग्रस्त और सड़े हुए खैर के पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध नहीं है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने वीरवार को यह टिप्पणी की।
पीठ ने कहा कि वर्ष 1996 में राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई पर लगाया प्रतिबंध पहले ही 16 फरवरी 2018 और 10 मई 2023 के आदेशों के जरिये संशोधित किया जा चुका है, जिनमें खैर के पेड़ों की कटाई की अनुमति दी गई थी। मामले में नियुक्त न्याय मित्र के परमेश्वर ने बताया कि हाईकोर्ट ने यह कहते हुए हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया था कि मामला शीर्ष अदालत में है।
याचिकाकर्ताओं ने पहले जिला वन अधिकारी से सूखे पेड़ काटने की अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति न मिलने पर हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। पीठ ने राज्य सरकार को 10 मई 2023 के आदेश का पालन करते हुए समिति गठित करने का निर्देश दिया, जिससे ऐसी कटाई की अनुमति संबंधी मामलों का निपटारा किया जा सके।
उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में निर्देश दिया था कि खैर के पेड़ों की कटाई सीधे वन विभाग या हिमाचल प्रदेश राज्य वन निगम की ओर से की जाए और इसे निजी एजेंसियों को ठेके पर न दिया जाए। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र की कटाई से पहले, दौरान और बाद में वीडियोग्राफी सुनिश्चित करने व कम से कम 25 प्रतिशत परिपक्व खैर के पेड़ों को 'मदर ट्री' के रूप में सुरक्षित रखने का निर्देश भी दिया गया था।

राजपाल यादव की मदद के लिए आगे आए एएसपी अनुज चौधरी, इतनी रकम का किया ऐलान

मुंबई। एक्टर राजपाल यादव इन दिनों आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। चेक बाउंस मामले में तिहाड़ जेल में बंद राजपाल पर लगभग 9 करोड़ रुपए का कर्ज है। फिल्म जगत के तमाम सितारे उनकी मदद के लिए आगे आए हैं। इस बीच फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) में तैनात एएसपी अनुज चौधरी ने भी मदद की बात कही है।
राजपाल यादव के इस मुश्किल वक्त में कई हस्तियां आगे आई हैं। सलमान खान, अजय देवगन, सोनू सूद, तेज प्रताप यादव समेत अन्य कई हस्तियों ने मदद का ऐलान किया है। सोनू सूद ने फिल्म में रोल और साइनिंग अमाउंट देने की बात कही, जबकि तेज प्रताप यादव ने 11 लाख रुपए की सहायता दी। अब इस सूची में नया नाम फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) में तैनात एसपी एएसपी अनुज चौधरी का भी जुड़ गया है।
अनुज चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर राजपाल यादव की मदद का ऐलान किया। उन्होंने कहा, राजपाल यादव जैसे कलाकारों ने हमें सालों तक हंसाया, मुश्किल वक्त में मुस्कुराने की वजह दी। जो लोगों को खुशी देते हैं, उन्हें अकेला नहीं छोड़ना चाहिए। मैं राजपाल की कॉमेडी और आध्यात्मिक विचारों से व्यक्तिगत रूप से प्रभावित हूं।

मुख्यमंत्री विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

रेडियो की विश्वसनीयता और एआई की गति मिलकर जनसेवा को बनायेंगे अधिक सशक्त : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वंदे मातरम के नए गायन संस्करण का पेन ड्राइव लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए आकाशवाणी रायपुर और यूनेस्को को इस खास आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का विषय 'रेडियो और एआई' अत्यंत सामयिक और उपयोगी है। सूचना क्रांति के इस युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सभी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में एआई के माध्यम से

रेडियो को और अधिक जनोपयोगी बनाने पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर सही जानकारी नागरिकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसमें रेडियो की भूमिका शुरू से ही अत्यंत प्रभावी रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आकाशवाणी देश का सबसे भरोसेमंद समाचार प्रसारक है। निजी चैनलों के बीच तेज़ी से खबरें देने की प्रतिस्पर्धा के बावजूद आकाशवाणी ने अपनी विश्वसनीय, संतुलित और जनहितकारी सूचना परंपरा को बनाए रखा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में यह सूचना, शिक्षा और स्वस्थ मनोरंजन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने रेडियो से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि जब दूरस्थ गांवों तक किसी अन्य माध्यम की पहुंच नहीं थी, तब रेडियो ही देश-दुनिया से जुड़ने का एकमात्र माध्यम था। किसानों और ग्रामीण अंचलों के लिए आकाशवाणी आज भी विशेष भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम के लिए रेडियो का चयन इसकी व्यापक पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आकाशवाणी के छह स्टेशन संचालित हैं तथा रायपुर से विविध भारती सेवा प्रसारित हो रही है। कार्यक्रम में यूनेस्को के रीजनल एडवाइजर ऑफकम्युनिकेशन एंड इनफॉर्मेशन सुश्री हज़्ज़ाज़ मा'अली ने सभी को विश्व रेडियो दिवस की शुभकामनाएं दी।

स्थानीय जुड़ाव मजबूत और श्रोताओं की रुचि में वृद्धि हुई

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'रेडियो और एआई' संचार के क्षेत्र में नई क्रांति ला सकता है। एआई की मदद से कंटेंट को अधिक प्रभावी, सटीक और त्वरित बनाया जा सकता है। आपातकालीन सूचनाएं, मौसम पूर्वानुमान, कृषि सलाह और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी अधिक तेजी और सटीकता से प्रसारित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ डिजिटल भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जा रहा है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और तकनीकी सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे। नई औद्योगिक नीति के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है और डिजिटल तकनीक के जरिए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी के माध्यम से छत्तीसगढ़ी, गोंडी और हल्बी भाषाओं में प्रसारण से स्थानीय जुड़ाव मजबूत हुआ है और श्रोताओं की रुचि में वृद्धि हुई है। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि रेडियो की विश्वसनीयता और एआई की गति मिलकर जनसेवा को और अधिक सशक्त बनाएंगी और विकसित भारत के लिए विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प सभी के सहयोग से अवश्य साकार होगा।

हाईवे पर तेज रफ्तार का कहर, कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में 7 लोगों की मौत

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के होसकोटे तालुक के एम. सत्यवारा गांव के पास शुक्रवार तड़के एक सड़क दुर्घटना में सात लोगों की दुखद मौत हो गई। यह दुर्घटना होस्कोटे-डाबास्पेटे राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई और इसमें एक कैंटर ट्रक, एक मोटरसाइकिल और एक एक्सयूवी कार शामिल थी।

पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, कोलार से देवनहल्ली की ओर जा रही कार पहले अपने आगे चल रही एक बाइक से टकरा गई। बताया जाता है कि चालक ने वाहन

से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार एक कैंटर ट्रक से जा टकराई, जिसके परिणामस्वरूप एक घातक सिलसिलेवार दुर्घटना हुई।

कार में सवार 6 लोगों और बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी छह मृतक बेंगलुरु के कोथनूर के निवासी थे। घटनास्थल का दौरा करने वाले आईजीपी (सेंट्रल) लाभू राम ने बताया कि सड़क दुर्घटना की एक श्रृंखला में सात लोगों की मौत हो गई है। हमने वाहनों को हटा दिया है और शवों को अस्पताल भेज दिया है।

मृतकों में से 6 लोगों के शवों की पहचान कर ली गई है। हम उनके परिवार और परिजनों से संपर्क करेंगे और आगे की प्रक्रिया पूरी करेंगे। एक अन्य मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

एससी/एसटी एक्ट : हर अपमान को अत्याचार नहीं माना जा सकता

हाईकोर्ट का अहम फैसला- प्रशासनिक विवादों पर नहीं लागू होगा कानून

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को लेकर एक महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति के किसी सदस्य का हर अपमान स्ष्ट/स्झ्र एक्ट की धारा 3(1)(ह्र) के तहत 'अत्याचार' की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जब तक सार्वजनिक रूप से धमकी या अपमान न किया गया हो, तब तक आपसी मतभेद, प्रशासनिक विवाद या कार्यस्थल पर हुआ कथित अपमान इस एक्ट के तहत अपराध नहीं माना जाएगा। यह मामला संस्कृत कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, याचिकाकर्ता इस यूनिवर्सिटी में विभाग

प्रमुख (।ह्ष्ठ) हैं और उन्होंने संस्कृत में बीए, एमए और पीएचडी की डिग्री हासिल की है। वहीं, शिकायतकर्ता उसी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं और अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखते हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर ने अपनी विभागाध्यक्ष पर जलन रखने और परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि विभागाध्यक्ष उन्हें विभागीय फैसलों में शामिल नहीं करतीं, उनकी कक्षाएं रोक दी गईं, उन्हें परीक्षा ड्यूटी से दूर रखा गया और एक ऑनलाइन मीटिंग के दौरान उनका अपमान किया गया। शिकायतकर्ता का दावा था कि यह सब उनकी जातिगत पहचान के कारण किया गया, जिससे उन्हें मानसिक पीड़ा पहुंची।

कोर्ट ने कहा- यह प्रशासनिक विवाद है, अपराध नहीं

इस मामले की सुनवाई जस्टिस चैताली चटर्जी दास कर रही थीं। मामले की गंभीरता को परखने के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अगर शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह सच भी मान लिया जाए, तो भी वे 1989 के स्ष्ट/स्झ्र अधिनियम के तहत अपराध की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। अदालत ने पाया कि शिकायत और केस डायरी में लगाए गए आरोप मुख्य रूप से विभाग के भीतर की प्रशासनिक और पेशेवर शिकायतों से संबंधित थे, जिन्हें जातिगत अत्याचार नहीं कहा जा सकता।

बिश्नोई गैंग के खास गुर्गे हैरी बॉक्सर ने दी थी रणवीर सिंह को धमकी

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग में एक के बाद एक बड़े खुलासे करने के बाद अब मुंबई पुलिस ने रणवीर सिंह को मिली धमकी के मामले में बड़ी जानकारी हासिल की है। मुंबई क्राइम ब्रांच का कहना है कि बिश्नोई गैंग के खास गुर्गों में से एक हैरी बॉक्सर ने वॉयस नोट के जरिए रणवीर सिंह को धमकी भेजकर एक करोड़ रुपए की वसूली मांगी थी। क्राइम ब्रांच घटना की मजबूती से जांच करने के लिए और सबूत भी जुटा रही है।

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणवीर सिंह के केस में मुंबई क्राइम ब्रांच का कहना है कि प्राथमिक जांच में व्हाट्सएप वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज होने की पुष्टि हुई है, हालांकि इससे जुड़े अन्य साक्ष्यों को क्राइम ब्रांच इकट्ठा करने में जुटी है। पुष्टि के लिए क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप वॉयस नोट को फॉरेंसिक में भेजा है और इसका रिपोर्ट आना बाकी है। पहले रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया और फिर डराने और पैसे ऐंठने के लिए अभिनेता को निशाना बनाया गया। अभिनेता को सीधे तौर पर धमकी नहीं दी गई, बल्कि उनके मैनेजर के फोन पर वाइस नोट के जरिए पैसों की डिमांड की गई, जिसके बाद रणवीर सिंह की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

प्रधानमंत्री कार्यालय की नई इमारत 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन

नॉर्थ-साउथ ब्लॉक ब्रिटिश हुकूमत का प्रतीक; गुलामी की मानसिकता से निकलना जरूरी- पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सेवा तीर्थ से उद्घाटन कार्यक्रम में सांसदों और मंत्रालय के अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय का पता आज से बदल गया है। नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए पीएम ऑफिस सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन 1 व 2 का उद्घाटन किया। पीएम ऑफिस अब तक साउथ ब्लॉक में था।

पीएम मोदी ने कहा कि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक की इमारतें ब्रिटिश शासन की हुकूमत की प्रतीक थीं। ये भवन ब्रिटेन के महाराज की

सोच को गुलाम भारत की जमीन पर उतारने का माध्यम था। हमें गुलामी की इस मानसिकता से बाहर निकलना जरूरी था।

पीएम ने कहा- दिल्ली की इमारतों में ऐतिहासिक स्थलों पर गुलामी के चिन्ह भरे पड़े हैं। आजाद भारत में जो सैनिक शहीद हुए, यहां उनके लिए कोई स्मारक नहीं था। 2014 में देश ने तय किया कि गुलामी की मानसिकता और नहीं चलेगी। हमारे इन फैसलों के पीछे हमारी सेवा भावना है।

सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स की दीवार पर 'नागरिक देवो भव' लिखा है। पीएम मोदी ने नए ऑफिस में भगवान गणेश की प्रतिमा पर माला चढ़ाई।स्पीच से कुछ देर पहले प्रधानमंत्री ने सेवा तीर्थ कॉम्प्लेक्स की पट्टिका का अनावरण किया। दीवार पर'सेवा तीर्थ' के नीचे 'नागरिक देवो भव' लिखा गया है।

प्रधानमंत्री का ऑफिस 1947 से साउथ ब्लॉक में रहा है। ये इमारत करीब 78 सालों से देश की सत्ता का केंद्र रही है। 2014 से मोदी सरकार ने ब्रिटिश शासकों के प्रतीकों से दूर जाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं। विकसित भारत की सोच सिर्फयोजनाओं में नहीं, बल्कि काम करने की जगहों और इमारतों में भी दिखनी चाहिए। नई तकनीक के लिए पुरानी इमारतें पर्याप्त नहीं हैं।

पुराने भवन छोटे और सुविधाओं में सीमित थे। करीब 100 साल पुरानी ये इमारतें जर्जर हो चुकी थीं, और इन समस्याओं की जानकारी देश को होना जरूरी है।

आज भी कई मंत्रालय अलग-अलग 50 जगहों से चल रहे हैं, जिससे हर साल लगभग 1,500 करोड़ रुपए किराए में खर्च होते हैं। सभी मंत्रालय एक जगह आने से खर्च कम होगा, समय बचेगा और कामकाज बेहतर होगा।

इन फैसलों के पीछे एक साफ सोच बताई गई है, जो भारत के अतीत, वर्तमान और भविष्य को जोड़ती है। पहले जिसे राजपथ कहा जाता था, वहां आम लोगों के लिए कम सुविधाएं थीं, अब कर्तव्य पथ पर बेहतर व्यवस्था है।

आरबीआई ने जारी किया सख्त फरमान

कर्ज वसूली के नाम पर अब रिकवरी एजेंट नहीं कर सकेंगे बदसलूकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने कर्ज वसूली (रिकवरी) के तरीकों को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय बैंक ने सभी वित्तीय संस्थानों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अब रिकवरी एजेंट कर्ज चुकाने में असमर्थ या देरी करने वाले ग्राहकों के साथ किसी भी सूरत में बदतमीजी नहीं कर सकेंगे। यह नया आदेश सभी सरकारी और निजी बैंकों, ग्रामीण बैंकों, एनबीएफसी , हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों और सहकारी बैंकों पर समान रूप से लागू होगा। आरबीआई का मकसद उन ग्राहकों को मानसिक प्रताड़ना और गैर-जरूरी दबाव से बचाना है, जो किसी मजबूरी के चलते समय पर कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं।

रिकवरी एजेंट्स के लिए पुलिस वेरिफिकेशन और ट्रेनिंग जरूरी

आरबीआई ने स्पष्ट कर दिया है कि रिकवरी की प्रक्रिया सिर्फ कानूनी ही नहीं, बल्कि मानवीय भी होनी चाहिए। अब बैंकों को एक स्पष्ट नीति बनानी होगी, जिसमें रिकवरी एजेंट्स की योग्यता और उनकी निगरानी के नियम तय होंगे। सबसे अहम बात यह है कि

अब कोई भी व्यक्ति आसानी से रिकवरी एजेंट नहीं बन सकेगा। बैंकों को नियुक्ति से पहले उनका पुलिस वेरिफिकेशन और बैकग्राउंड चेक करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, एजेंट्स के पास 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस' या उससे जुड़े संस्थानों से रिकवरी का ट्रेनिंग सर्टिफिकेट होना जरूरी होगा। अगर कोई एजेंट नियमों को तोड़ता है, तो बैंक को उस पर कार्रवाई करनी होगी और उसे नौकरी से हटाना होगा।

कॉल रिकॉर्डिंग होगी अनिवार्य, वेबसाइट पर देनी होगी जानकारी

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए बैंकों को अब अपनी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर रिकवरी एजेंट्स की अपडेटेड लिस्ट (नाम और नंबर के साथ) सार्वजनिक करनी होगी। केस रिकवरी एजेंट को सौंपने से पहले बैंक को ग्राहक को एसएमएस या ईमेल के जरिए सूचित करना होगा। वसूली के दौरान की गई सभी कॉल रिकॉर्ड की जाएंगी और ग्राहक को यह बताना अनिवार्य होगा कि कॉल रिकॉर्ड हो रही है। एजेंट न तो गाली-गलौज कर सकते हैं, न ही शारीरिक हिंसा की धमकी दे सकते हैं। अगर ग्राहक कोई शिकायत दर्ज करवाता है, तो जब तक उसका निपटारा नहीं हो जाता, तब तक रिकवरी प्रक्रिया रोकनी होगी।

बढ़ती शिकायतों और आत्महत्याओं के बाद लिया गया फैसला

आरबीआई को यह कदम इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि पिछले कुछ सालों में रिकवरी एजेंट्स की मनमानी और अमानवीय व्यवहार की शिकायतें तेजी से बढ़ी थीं। कई मामलों में देखा गया कि एजेंट्स ने कर्जदारों को इतना प्रताड़ित किया, गालियां दीं और धमकाया कि मजबूर होकर कुछ लोगों ने आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठा लिया। विशेषकर माइक्रोफाइनेंस और छोटे कर्ज के मामलों में 2023-24 के दौरान कई राज्यों से ऐसी दर्दनाक खबरें सामने आई थीं, जिसके बाद केंद्रीय बैंक ने अब नकेल कस दी है।

सुबह 8 से शाम 7 बजे तक ही कर सकेंगे कॉल

आम लोगों को राहत देते हुए RBI ने संपर्क करने के समय को भी निर्धारित कर दिया है। नए नियमों के मुताबिक, बैंक कर्मचारी या रिकवरी एजेंट ग्राहकों को सिर्फ सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही कॉल कर सकते हैं। अगर ग्राहक किसी विशेष समय पर कॉल न करने की विनती करता है, तो उसका सम्मान करना होगा। इसके अलावा, मानवीय आधार पर यह भी कहा गया है कि परिवार में किसी की मृत्यु, शादी-विवाह या त्योहारों जैसे मौकों पर वसूली के लिए कॉल या घर जाने से बचना होगा। साथ ही, इंटरनेट मीडिया पर मैसेज भेजकर या दोस्तों-रिश्तेदारों को फोन करके परेशान करने पर भी पूरी तरह रोक लगा दी गई है।

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत का बड़ा फैसला

रूस से खरीदेंगे 10 हजार करोड़ की 288 एस-400 मिसाइलें

पाकिस्तान की सीमाओं पर दिखा था एस-400 का खौफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी हवाई सुरक्षा को अभेद्य बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में रूस से 288 नई स्-400 मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दे दी गई है। इस सौदे की अनुमानित लागत करीब 10,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह निर्णय मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस्तेमाल की गई मिसाइलों के स्टॉक को फिर से भरने और देश की एयर डिफेंस क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस खरीद में 120 छोटी दूरी वाली और 168 लंबी दूरी वाली मिसाइलें शामिल होंगी, जिन्हें फास्ट ट्रैक प्रक्रिया के तहत खरीदा जाएगा।

मई 2025 में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना ने एस-400 सिस्टम का जिस आक्रामकता से इस्तेमाल किया था, उसने पड़ोसी मुल्क के होश उड़ा दिए थे। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय मिसाइलों ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों, अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट और सशस्त्र ड्रोन को मार गिराया था।

रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जब भारत ने एस-400 का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 314 किलोमीटर की दूरी पर एक बड़े विमान को ढेर किया, तो पाकिस्तान में हड़कंप मच गया था। डर का आलम यह था कि पाकिस्तान ने अपने लगभग सभी ऑपरेशनल विमानों को भारत सीमा से हटाकर अफगानिस्तान और ईरान के पास वाले हवाई अड्डों पर भेज दिया था। अदमपुर और भुज सेक्टर में तैनात एस-400 की वजह से ही 9 और 10 मई को पाकिस्तानी वायुसेना ने उड़ान भरने की हिम्मत तक नहीं जुटाई थी। नई खरीद के अलावा, भारत को रूस के साथ पहले से हुए समझौते के तहत दो और एस-400 सिस्टम इसी साल जून और नवंबर में मिलने वाले हैं।

खबर-खास

अन्नदाता का मान ही भाजपा सरकार की पहचान : ऋषिदेव चौधरी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बीते दिनों हुए मंत्रि परिषद की बैठक में राज्य के किसानों के हित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय की प्रसंशा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरी ने कहा कि अन्नदाताओं का मान ही भाजपा सरकार की पहचान है और हर कीमत पर हर स्तर पर भाजपा किसानों के हित में निर्णय ले रही है। ऋषिदेव चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा कि समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपये प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान करने का निर्णय प्रदेश की विष्णुदेव सरकार ने लिया जिसका स्वागत होना चाहिए। इस निर्णय के तहत लगभग 10,000 करोड़ की राशि 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी। ऋषिदेव चौधरी ने आगे कहा कि प्रदेश के अन्नदाता भाइयों-बहनों की मुस्कान ही भाजपा सरकार की सबसे बड़ी पूँजी है। सरकार केवल धान की खरीदी नहीं करती, बल्कि किसानों के परिश्रम का उचित मूल्य सुनिश्चित करना और उनके सम्मान की रक्षा करना अपना दायित्व मानती है।

भाजपा मंत्री ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में राज्य के 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत बीते दो वर्षों में किसानों को धान मूल्य अंतर की राशि के रूप में 25,000 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। होली से पूर्व किसानों के खाते में 10,000 करोड़ के भुगतान के साथ यह राशि बढ़कर 35,000 करोड़ से अधिक हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि कहा कि किसान प्रदेश की आत्मा और अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव हैं। उनकी मेहनत और पसीने से ही राज्य की समृद्धि सुनिश्चित होती है।

ऋषिदेव चौधरी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों की खुशहाली, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत अचानकपुर में वजन त्यौहार का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत अचानकपुर में बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों का वजन कर उनके स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन किया गया। इस अवसर पर हितग्राहियों को वजन त्यौहार के महत्व और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के संतुलित आहार, पोषण और देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। सुपरवाइजर संध्या सिंह ने गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को स्वस्थ रहने के उपाय, संतुलित आहार लेने की आवश्यकता तथा बच्चों के सही लालन-पालन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने माताओं को नियमित जांच, टीकाकरण और पोषण पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

कार्यक्रम में सुपरवाइजर संध्या सिंह, हेमलता बंदा साहू, सरपंच देवानंद साहू, पंच मानसी साहू, ओम कुमारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन से ग्राम में स्वास्थ्य जागरूकता का सकारात्मक संदेश प्रसारित हुआ।

राजनांदगांव क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए टैरिफयाचिकाओं पर जन-सुनवाई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2029-30 के लिए बिजली दरों (टैरिफ) के निर्धारण और राजस्व आवश्यकताओं से संबंधित याचिकाओं पर राजनांदगांव क्षेत्र (राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई एवं कबीरधाम जिले) के उपभोक्ताओं के लिए जन-सुनवाई आयोजित की जा रही है। सीएसईआरसी द्वारा पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के दूर-दराज क्षेत्रों के विभिन्न उपभोक्ताओं को उक्त जनसुनवाई की प्रक्रिया में हिस्सा लेने हेतु क्षेत्रवार ऑनलाईन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। राज्य की बिजली कंपनियों (उत्पारायपुर कार्यालय में प्रत्यदन, पारेषण, वितरण एवं लोड डिस्पैच सेंटर) द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर आम जनता, किसान और उद्योगपति अपने सुझाव व आपत्तियाँ दर्ज करा सकते हैं। राजनांदगांव क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आयोग के रायपुर कार्यालय से सीधे जुड़ने के लिए दिनांक 17 फरवरी 2026 को दोपहर 3:00 बजे से 04:30 बजे तक राजनांदगांव शहर के पारीनाला स्थित कार्यपालक निदेशक कार्यालय, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, राजनांदगांव पर उपस्थित हो सकते हैं। यदि कोई उपभोक्ता सीधे रायपुर आयोग कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बात रखना चाहता है, तो दिनांक 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक कृषि एवं कृषि संबंधी कार्य, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक घरेलू उपभोक्ता एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक गैर-घरेलू उपभोक्ता उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां एवं सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी तरह 20 फरवरी 2026 को दोपहर 12:00 से 01:30 बजे तक स्थानीय निकाय, नगर निगम एवं ट्रेड यूनियन आदि, दोपहर 02:30 से 04:00 बजे तक निम्न दाब उद्योग एवं सायं 04:00 से 05:30 बजे तक उच्च दाब उद्योग अपनी सुझाव प्रस्तुत कर सकेंगे।

वार्षिक उत्सव में बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

पाटन (समय दर्शन)। पीएम श्री प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला अखरा (पाटन) वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह* मुख्य अतिथि माननीय रूप नारायण सिन्हा जी अध्यक्ष योग आयोग छत्तीसगढ़ कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त अध्यक्षता कर रहे माननीय श्री जितेंद्र वर्मा जी प्रदेश मंत्री भाजपा अति विशिष्ट अतिथि योगीराज साहू जी प्राचार्य कोलर अभनपुर माननीय कीर्ति नायक अध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन माननीय योगेश निक्की भाले अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन निशा सोनी योगेश सोनी उपाध्यक्ष नगर जिला मिशन प्रभारी शिक्षा विनोद कुमार सिन्हापंचायत पाटन प्रणव शर्मा सभापति जनपद पंचायत पाटन श्रीमती नेहा बाबा वर्मा सभापति नगर पंचायत पाटन ,केवल देवांगन सभापति नगर पंचायत पाटन अतुल तिवारी जी नीरज सिन्हा जी की आतिथ्य में बड़े हर्षोल्लास के साथ वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह मनाया गया जिसमें बच्चों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति सरस्वती वंदना भरथरी कर्मा ददरिया योग नृत्य बारहमासी अन्य छत्तीसगढ़ी लोकगीत लोक कला के प्रस्तुति दी एवं खेल योग एवं संगीत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बोधन में गुरुकुल की परंपरा के विषय में प्रकाश डाला और बताया कि हमें पुरानी पद्धतियों के अनुसार बच्चों को शिष्टाचार सिखाना अति आवश्यक है आधुनिक एवं प्राचीन परंपरा को जोड़ते हुए बच्चों को बच्चों को नैतिक शिक्षा दी जाए साथ ही साथ जितेंद्र वर्मा जी ने पीएम श्री के विषय में सारगर्भित बातें बताएं की पीएम श्री विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को सुविधा युक्त शिक्षा और संगीत योग गतिविधि अग्रणी करना है। कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष द्वारा श्रीमती राजेश्वरी वर्मा एवं चंद्रशेखर छेदय्या सांसद प्रतिनिधि योगेश्वर वर्मा ,बाबा वर्मा ,सुशील कश्यप ,रामनाथ साहू ,जी गंगाराम निषाद, जी नेहा चक्रधारी, जी भास्कर देवांगन ,सुभाष भारती, सीताराम देवांगन, मधु ठाकुर एवं पार्षद नगर पंचायत पाटन एवं प्रधान पाठक द्वय गोपेन्द्र कुमार साहू संतोष कुमार वर्मा एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

रजत महोत्सव का संकल्प हवा! जान जोखिम में डालकर काम करा रहा बिजली विभाग का ठेकेदार

पाटन (समय दर्शन)। रजत महोत्सव के दौरान सुरक्षा का संकल्प लेने वाला बिजली विभाग महज एक सप्ताह में ही अपना वादा भूल गया है। जामगांव आर फीडर अंतर्गत ग्राम भरर में चल रहे विद्युत कार्यों के दौरान गंभीर लापरवाही सामने आई है। मौके पर देखा गया कि ठेकेदार द्वारा मजदूरों से बिना किसी सुरक्षा प्रबंधन के पोल पर चढ़कर तार लगाने का काम कराया जा रहा है। न तो मजदूरों ने सेफ्टी बेल्ट पहन रखी थी और न ही हेलमेट का उपयोग किया जा रहा था। ऊंचे बिजली पोल पर इस तरह खुलेआम काम कराया जाना सीधे तौर पर जान जोखिम में डालने जैसा है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई बड़ा हादसा हो जाता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? विभागीय नियमों के अनुसार विद्युत कार्यों के दौरान सुरक्षा उपकरण अनिवार्य होते हैं, लेकिन यहां नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

हैरानी की बात यह है कि बिजली विभाग के अधिकारी भी इस गंभीर लापरवाही पर कोई संज्ञान लेते नजर नहीं आ रहे हैं। ठेकेदार की मनमानी के चलते मजदूरों की जान खतरे में है।

यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो यह लापरवाही कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। अब देखना होगा कि विभाग अपने रजत महोत्सव के संकल्प को याद रखता है या फिर किसी अनहोनी का इंतजार करेगा।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी गन्ना किसानों को होली की सौगात

होली में रंगों की छटा बिखरेगी

कवर्धा (समय दर्शन)। होली पर्व से पूर्व गन्ना किसानों के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी सामने आई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों के लिए 4.73 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है। अब तक कुल 14,518 गन्ना किसानों को 51.51 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। नियमित एवं समयबद्ध भुगतान से किसानों को आर्थिक संबल मिला है, वहीं होली से पहले ही उन्हें गन्ना की राशि मिलने से उनकी होली में रंगो की छटा भी बिखरेगी।

कलेक्टर गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में गन्ना भुगतान की प्रक्रिया में तेजी के बारे में कारखाना प्रबंधन ने बताया कि चालू पेराई सत्र में अब तक 2, 42, 990 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है तथा 2, 86, 743 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया गया है। यह उपलब्धि किसानों के सतत सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम है। गौरतलब है कि होली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व भुगतान की पहल से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन एवं कारखाना प्रबंधन ने किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर कार्य करते रहने का विश्वास दिलाया है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना प्रबंधन ने शेयरधारक सदस्य किसानों एवं गैर-सदस्य गन्ना उत्पादकों से सर्वे के अनुरूप अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रबंधन ने इसे सहकारिता को मजबूत करने और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने का साझा अवसर बताया है। विगत पेराई सत्र 2024-25 एवं वर्तमान पेराई सत्र 2025-26 में सर्वे अनुमान के अनुरूप गन्ना आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण कारखाने की पेराई क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो सका, जिससे पेराई अवधि प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि पर्याप्त गन्ना आपूर्ति होने से पेराई अवधि बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों को आगे भी समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कारखाना प्रबंधन ने कारखाने की पंजीकृत उपविधियों के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि उपविधि धारा 07 (02) (घ) के अंतर्गत सदस्य किसानों के लिए अपने उत्पादित गन्ने की आपूर्ति कारखाने में करना अनिवार्य है। वहीं उपविधि धारा 09 (क) (05) में यह प्रावधान है कि यदि कोई सदस्य लगातार सर्वे के अनुसार गन्ना आपूर्ति नहीं करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि सहकारी संस्था की निरंतरता और किसानों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है। कारखाना प्रबंधन ने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना अपनी स्थापना से ही क्षेत्र के गन्ना किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति का सशक्त माध्यम रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और किसानों के सहयोग से कारखाना निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

लोकतंत्र में वोट चोरी का भंडाफोड़ : भाजपा के चेहरे बेनकाब, आसिफअली ने खोली साजिश की परतें

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के राजेंद्र प्रसाद वार्ड में मतदाता सूची से नाम विलोपित करने के सुनियोजित षड्यंत्र का गंभीर मामला सामने आया है। कांग्रेस के सक्रिय, ऊर्जावान एवं जनहित के लिए सदैव तत्पर रहने वाले नेता आसिफअली ने फार्म-7 के माध्यम से 32 मतदाताओं के नाम गलत जानकारी देकर हटाने के प्रयास का दस्तावेजी साक्ष्यों सहित भंडाफोड़ किया है।

आसिफ अली की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश डाकलिया, जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान एवं अमित चंद्रवंशी शामिल थे, ने चिखली चौकी प्रभारी एवं तहसीलदार को 32 पृष्ठों के ठोस दस्तावेजी साक्ष्यों सहित ज्ञापन सौंपकर मांग की कि गलत जानकारी देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत जांच कर अपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि यह कृत्य जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के विपरीत है तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 212 के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

आसिफअली ने बताया कि फार्म-7 में मतदाताओं को स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर उनके नाम विलोपित कराने का प्रयास किया गया, जबकि संबंधित मतदाता उसी वार्ड के निवासी हैं एवं उनका राशन कार्ड, आधार कार्ड आदि शासकीय दस्तावेज संबंधित वार्ड का है व इन सभी का किसी अन्य वार्ड की मतदाता सूची मे नाम भी दर्ज नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि जिन 32 मतदाताओं के नाम हटाने का आवेदन दिया गया, उनमें से 4 मतदाता स्वयं उपस्थित होकर कार्यवाही हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये हैं शेष, जिससे स्पष्ट है कि यह पूरी कार्रवाई भ्रामक एवं तथ्यहीन जानकारी पर आधारित है।

प्रारंभिक तथ्यों से यह भी उजागर हुआ है कि फार्म-7 में गलत जानकारी देकर नाम विलोपन का प्रयास करने वालों में भाजपा के पूर्व पार्षद देवेश घाटोड़े एवं किशन अग्रवाल के नाम शामिल हैं। यह भाजपा द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने का गंभीर और सुनियोजित प्रयास प्रतीत होता है।

आसिफ अली ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देशभर में मतदाता सूची में गड़बड़ी और वोट चोरी के प्रयासों को उजागर करते रहे हैं। उसी क्रम में आज राजनांदगांव में भी भाजपा के इस कुत्सित प्रयास का खुलासा आम जनता के सामने हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि दोषियों पर शीघ्र वैधानिक कार्यवाही नहीं हुई तो कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक दायरे में रहकर कड़ा प्रतिरोध दर्ज कराएगी। अंत में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाना केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिक के संवैधानिक अधिकार पर सीधा प्रहार है। कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी। ज्ञापन सौंपे जाने के समय मुख्य रूप से इब्राहिम खान, बबलू कसार, सैय्यद अफजल, पार्षद छोटेलाल रामटेके सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं कांग्रेसजन उपस्थित थे।

महाशिवरात्रि पर मांस दुकानें रहेंगी पूर्णतः बंद

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर के आदेश के परिपालन में आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम, दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत संचालित समस्त पशु वध गृह एवं मांस बिक्री की दुकानें दिनांक 15 फरवरी 2026, दिन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व के अवसर पर पूर्णतः बंद रखी जाएंगी।

इस संबंध में निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा विधिवत आदेश जारी कर संबंधित संचालकों को सूचित कर दिया गया है। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व अमले को निर्देशित किया है कि शहर क्षेत्र में मांस बिक्री की दुकानों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आदेश का उल्लंघन करते हुए कोई भी दुकान खुली पाई जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध जुर्माना की कार्रवाई की जाएगी तथा सामग्री जब्त करने की कार्यवाही भी की जाएगी।

निगम स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने समस्त दुकान संचालकों से अपील की है कि वे धार्मिक भावनाओं एवं शासन के निर्देशों का पालन करते हुए सहयोग प्रदान करें।

प्रेम प्रसंग में किशोर की संदिग्ध मौत

गर्लफ्रेंड से मिलने जमनीडीह आया किशोर की मिली लाश

बसना (समय दर्शन)। 15 दिन से लापता किशोर का शव बरामद हुआ है । शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है।पुलिस हर एंगल से भी जांच कर रही है। उसके गर्लफ्रेंड से भी पूछताछ कर रही है।

भंवरपुर पुलिस चौकी क्षेत्र के जंगल में एक नाबालिग का शव मिला है। उसकी पहचान बलौदाबाजार कसडोल जिले के ग्राम सर्वा निवासी 17 वर्षीय उद्रेश वर्मा के रूप में हुई है। उद्रेश 15 दिन पहले अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने बसना के जमनीडीह गांव गया था और तब से लापता था। पुलिस ने हत्या सहित सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, उद्रेश वर्मा 29 जनवरी को अपने दोस्तों के साथ टूण्ड्री गांव में मड़ाई मेला देखने गया था। लौटते समय उसने महासमुंद जिले के ग्राम पंचायत जमदरहा के आश्रित गांव जमनीडीह में अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने की इच्छा जताई।

दोस्तों के मना करने के बावजूद, उद्रेश रात करीब 11 बजे जमनीडीह गांव पहुंचा और दोस्त के मोबाइल से गर्लफ्रेंड को कॉल कर उससे मिला। इसके बाद से वह लापता हो गया। 30 जनवरी को उसके दोस्त धर्मेंद्र वर्मा ने भंवरपुर चौकी में उद्रेश के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। कुछ दिनों बाद, उद्रेश का दोस्त से लिया गया मोबाइल गांव के पास पुलिस को मिला, जिसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी। पुलिस ने डॉग स्क्वॉड की मदद ली, लेकिन डॉग लड़की के घर के आसपास जाकर भी कोई सुराग नहीं दे पाया। पुलिस तकनीकी सहायता और तलाशी अभियान में जुटी रही। दोपहर करीब 2 बजे तलाशी दल को युवती के गांव से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर जंगल में उद्रेश का शव मिला। फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल कर सबूत इकट्ठा किए। शव के कुछ हिस्से जानवरों ने खा लिए थे। परिजनों ने शव की पहचान उद्रेश के रूप में की। शव डीकंपोज होने की वजह से पोस्टमार्टम के लिए रायपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

पुलिस उद्रेश की गर्लफ्रेंड और उसके परिवार से पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि उद्रेश और उसके गर्लफ्रेंड के बीच सोशल मीडिया के जरिए पहचान हुई थी। दोनों एक दूसरे से फोन पर भी बात किया करते थे।

शिकायतकर्ता महिला पर, पीड़ित के परिजनों ने लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप

रिलेशनशिप में रहते हुए पैसे के लेन देन का साक्ष्य किए पेश

बिलासपुर (समय दर्शन)। शहर के वार्ड क्रमांक 3 साईं नगर उस्लापुर अमेरी के पार्षद पति के खिलाफहुए दैहिक शोषण की एफआईआर को लेकर उसके परिजनों ने नया खुलासा करते हुए बिलासपुर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को शिकायत सौंपकर जांच करते हुए कार्रवाई की मांग की है.. आज राजेंद्र/ रिंकू टंडन के परिजनों ने एसएसपी ऑफिस पहुंचकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज दिए है इस दौरान उन्होंने कहा है कि, दैहिक शोषण की शिकायत करने वाली महिला वार्ड की ही निवासी है, और किराने दुकान का संचालन करती थी, क्योंकि रिंकु कोयला लोडिंग और अनलोडिंग के ठेकेदारी का काम करता है और वार्ड में जनप्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है तो उसकी पहचान महिला से थी, रिंकु टंडन के परिजनों ने जानकारी देते हुए बताया कि, लगभग कुछ साल पहले उसकी पहचान महिला से हुई थी और महिला समेत उसके पति और साली से घनिष्ठ मित्रता हो गई थी। इस दौरान महिला ने रिंकू से प्यार का इजहार किया और उसके बिना न रह पाने की बात भी कहीं, कोयला लोडिंग अनलोडिंग के काम के सिलसिले में उस्लापुर रोजाना आना जाना और समान लेने के दौरान महिला ने कई बार प्यार का इजहार किया, इसके बाद दोनों के बीच लंबे समय तक प्रेम संबंध रहा, इतना ही नहीं महिला और रिंकू टंडन कई मौके पर शहर से बाहर घूमने भी घूमने गए थे। इस दौरान दोनों के बीच आपसी रजामंदी से संबंध भी स्थापित हुआ, इसी का फायदा उठाकर महिला, उसके पति और साली द्वारा ब्लेक मेल कर रिंकू से पैसे की मांग करने लगे, इस दौरान रिंकु टंडन ने लोक लाज के डर और पत्नी की पार्षद होने की वजह से छवि धूमिल न हो इसके लिए कई बार ऑनलाइन के माध्यम से रुपए दिए, आरोपों के मुताबिक महिला और उसके परिजनों द्वारा लगातार रिंकू टंडन पर पैसों के लिए दबाव बनाया जा रहा था, आरोपों के मुताबिक जनवरी के दूसरे सप्ताह में महिला और उसके परिजनों द्वारा रिंकू टंडन को घर बुलाकर 50 लाख रुपए की मांग की गई और दो तीन दिनों के भीतर पैसे देने की बात हुई, जब रिंकू ने महिला और उसके परिजनों को पैसे नहीं दिए तो महिला और उसके परिजनों द्वारा रिंकू टंडन पर छेड़छाड़ की शिकायत थाना सकरी में की, जिसके बाद महिला संबंधी मामले पर थाना सकरी की पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया।

रिंकू के परिजनों द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी से मामले की जांच के लिए आवेदन किया गया है, आवेदन के साथ साथ उसके परिजनों ने महिला और रिंकू के कई तस्वीरों, ऑनलाइन के माध्यम से हुए लेन देन की छायाप्रति समेत रिंकू टंडन और महिला के बीच हुए व्हाट्सएप चैटिंग को भी सार्वजनिक किया है। पूरे मामले को लेकर परिवार अब एसएसपी से मामले की गहन जांच कर महिला और उसके परिजनों के खिलाफब्लैक मेल कर अवैध रूप से राशि वसूलने के मामले में कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

24 घंटे के भीतर लाखो की चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार, टेंट वाला कर्मचारी निकला चोर

सारँगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र के पवनी मे एक बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था जिसमे चोर मे तक़रीबन 7 से 8 लाख रुपए तक की चोरी को अंजाम दिया गया जिसमे सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है पुलिस अधीक्षक, अडीसनल एसपी ने तत्काल इस मामले मे खुद मौके पर पहुचकर बिलाईगढ़ पुलिस की टीम, साइबर टीम ने जाँच शुरू की थी जिसमे महज 24 घठे के भीतर इस चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चोर को पकड़ने मे सफलता हासिल की है आपको बता दे प्रार्थी रामलाल साहू नगर पंचायत पवनी ने थाना बिलाईगढ मे दिनांक 2.02.2026 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया दिनांक 11.02.2026 के समय करीबन 02:00-02:30 बजे अपने परिवार के साथ घर को ताला लगाकर गाडी (कार) खरीदने कसडोल गया था और रात्रि करीबन 10:00-10:30 बजे पवनी आये, घर का ताला टुटा हुआ था, आलमारी में बैग अंदर रखे हुए सोने, चांदी के जेवरात, नगदी रकम कुल

किमती 7,41,500/- रूपये व मेरा आधार कार्ड को कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले गया है जिसमे पुलिस ने खोजबीन शुरू की वही विवेचना दौरान शादी मे आये हुये, टेन्ट वाले, कैटरिंग वाले ,कैमरा वाले आये थे, जिन्हे बारी-बारी से पूछताछ करने पर एक ब्यक्ति जिसका नाम कौशिक प्रधान था वह पुलिस की पूछताछ में हडबडाने लगा और उल्टा सीधा जवाब देने लगा,तब डॉग के द्वारा संदिग्ध के आस पास बार - बार चक्कर लगाने से कौशिक प्रधान को बारीकी से पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया, आरोपी द्वारा पेश द्वारा पेश करने सोने के जेवरात 6 तोला 2 ग्राम कीमती 559000 रू चांदी के जेवरात कीमती 179000 रूपये, नगदी रकम 3000 कुल कीमती 741000/- रूपये एवं घटना मे इस्तेमाल किये गये मो.सा. को आरोपी कौशिक प्रधान से जप्त किया गया है। एंव आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर पेश किया गया है। उक्त मामले के आरोपी को धरपकड एवं विवेचना कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश में अति.पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडेय, एसडीओपी विजय ठाकुर बिलाईगढ के मार्गदर्शन में थाना बिलाईगढ से विवेचक सउनि प्रकाश रजक, हमराह स्टासफप्र0आर0 नरेन्द्र साव, आरक्षक मुनी अनंत, राजेश सायतोडे, भुनेश्वजर चंद्रा, चंद्रमणी साहू, अर्जुन सिंह, राजेन्द्र बघेल तथा सायबर प्रभारी सउनि रामकुमार मानिकपुरी, दीपक मैत्री एवं डॉग हैंडलर बहादुर थापा का विशेष योगदान रहा।

वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की सुरक्षा और सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप हो सभी गतिविधियों का संचालन : मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य वन्य जीव बोर्ड की बैठक संपन्न

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की 16वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में बोर्ड की 15वीं बैठक के पालन प्रतिवेदन तथा नवीन एजेंडों पर चर्चा उपरांत प्रस्तावों को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के निर्णय हेतु प्रेषित करने पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वन्यजीव हमारी प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनके संरक्षणङ्कसंवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए सतत निगरानी, अवैध गतिविधियों पर रोक तथा उनकी सुरक्षा के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही, वनों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने न्यूनतम हस्तक्षेप के सिद्धांत को अपनाते हुए अत्यावश्यक कार्यों को ही वन्यजीवों के प्राकृतिक

आवास में बिना किसी छेड़छाड़ के पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने सह-अस्तित्व के सिद्धांतों के अनुरूप सभी गतिविधियों के संचालन की बात कही। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति (Standing Committee of State Board for Wildlife) के गठन को मंजूरी दी गई। स्थायी समिति का गठन वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री की अध्यक्षता में किया जाएगा, जिसमें 11 अन्य सदस्य शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि वन्य प्राणियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होने वाले कार्यों के प्रस्तावों पर राज्य वन्यजीव बोर्ड का अभिमत अनिवार्य होता है। बोर्ड की बैठकों के बीच अधिक अंतराल के कारण प्रस्तावों की स्वीकृति में विलंब की स्थिति बनती है। स्थायी समिति के गठन से वैधानिक मंजूरियों के त्वरित निपटान तथा वन्यजीव प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के शीघ्र निराकरण में सहायता मिलेगी।

बैठक में उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व अंतर्गत बरबांधा जलाशय में बांध एवं नहरों के जीर्णोद्धार एवं नवीन कार्य, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले के कवर्धा वनमंडल में पंडरीपानी मेन रोड से सौरु तक मार्ग मजबूतीकरण, गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने से संबंधित 6 प्रस्ताव, सेमरसोत अभ्यारण्य में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने, उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व में सीआरपीएफ कैंप की स्थापना तथा उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिजर्व में ऑप्टिकल फाइबर बिछाने के प्रस्तावों का अनुमोदन कर उन्हें राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्वीकृति हेतु प्रेषित करने पर सहमति दी गई। कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, विधायक श्री धर्मजीत सिंह, मुख्य सचिव श्री विकास शील, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री अरुण कुमार पाण्डेय सहित बोर्ड के अन्य सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक्सिस मैक्स लाइफने इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

AXIS MAX LIFE INSURANCE

चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 9 महीनों में मैक्स फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का निवेश आय के अतिरिक्त कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 24,625 करोड़ रुपये रहा। इसमें सालाना आधार पर 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। समीक्षाधीन अवधि में निवेश आय समेत कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 36,891 करोड़ रुपये और कंसोलिडेटेड कर पश्चात लाभ 137 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीनों में निजी जीवन बीमा उद्योग की गति को पीछे छोड़ते हुए एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड ने नए बिजनेस में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की और यह 6,396 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक्सिस मैक्स लाइफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफएक्जीक्यूटिव ऑफिसर सुमित मदान ने कहा, 'चालू वित्त वर्ष के शुरुआती 9 महीनों में एक्सिस मैक्स लाइफ के प्रदर्शन से अनुशासन एवं निरंतरता के साथ लागू की गई सटीक रणनीति की ताकत नजर आती है। हमने निजी जीवन बीमा उद्योग को पीछे छोड़ते हुए दोहरे अंकों में विकास दर्ज किया है और टॉप 10 बीमाकर्ताओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी के रूप में उभरे हैं। साथ ही हमने सेक्टर में सबसे ज्यादा मार्केट शेयर हासिल किया है। यह विकास इंडीविजुअल एडजस्टेड फर्स्ट ईयर प्रीमियम और वैल्यू ऑफन्यू बिजनेस की मजबूती से संभव हुआ है। इसे विभिन्न प्रोप्रिएटरी चैनल्स में व्यापक विस्तार से भी मदद मिली है।'

'हमारे एजेंसी वर्टिकल भी उद्योग में सबसे तेजी से विकास करने वालों में शुमार हैं। स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप बिजनेस में लगातार मूमेंटम से भी इसे गति मिली है। जैसे-जैसे हम विस्तार कर रहे हैं, निवेशकों एवं ग्राहकों को बेहतर वैल्यू देने की हमारी प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। लगातार डिजिटल इनोवेशन के माध्यम से ग्राहकों का अनुभव बेहतर करते हुए हम लगातार अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता को बढ़ा रहे हैं। यह लंबी अवधि में विकास करने और मार्केट लीडरशिप के मामले में हमारा प्राइमरी इंजन बना हुआ है।' इससे प्राइवेट मार्केट शेयर 53 आधार अंक बढ़कर 9.8 प्रतिशत पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि हुए एक्सिस मैक्स लाइफइंश्योरेंस लिमिटेड कंपनी को पहले मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था। सबसे तेजी से बढ़ती जीवन बीमा कंपनी में शुमार एक्सिस मैक्स लाइफने चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में एनुअलाइज्ड प्रीमियम इक्विवेलेंट (एपीई) में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। अपने प्रोप्रिएटरी चैनल्स में बेहतर विकास के दम पर कंपनी ने यह प्रदर्शन किया है। साथ ही पिछले कुछ वर्षों में नई साझेदारियों के विस्तार से इसे गति मिली है। चालू वित्त वर्ष में एक्सिस मैक्स लाइफने 24 ग्रुप और 27 रिटेल पार्टनरशिप समेत 51 नई बिजनेस पार्टनरशिप की हैं।

गुरुकुल परंपरा एवं नैतिक शिक्षा के समन्वय पर बल : रूपनारायण सिन्हा

रायपुर। आधुनिक शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों एवं शिष्टाचार का समावेश अत्यंत आवश्यक है। गुरुकुल परंपरा की मूल भावना को अपनाते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना समय की आवश्यकता है।उक्त विचार श्री रूपनारायण सिन्हा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा पीएम श्री प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला अखरा (पाटन), जिला दुर्ग के वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए गए।

श्री सिन्हा ने कहा कि पीएम श्री विद्यालय की संकल्पना माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में की गई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधायुक्त, गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र शिक्षा प्रदान करना है। इस पहल के अंतर्गत शिक्षा के साथ-साथ संगीत, खेल एवं योग जैसी गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जितेंद्र वर्मा द्वारा की गई। अतिथियों का शाला प्रबंधन समिति

द्वारा पुष्पगुच्छ, शाल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया।

वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना, योगासन एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभावी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में जनप्रतिनिधिगण, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

शॉपर्स स्टॉप ने अपने नेटवर्क का किया विस्तार

नई दिल्ली: भारत का प्रीमियम फैशन, लाइफस्टाइल और गिफ्टिंग डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप ने अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार करते हुए अपना तीसरा स्टोर खोला है। यह नया शॉपर्स स्टॉप स्टोर शहर के फैशन-प्रेमी ग्राहकों के लिए स्टाइल, एलिगेंस और बेहतरीन शॉपिंग अनुभव की नई दुनिया लेकर आएगा।विस्तृत रिटेल स्पेस में फैले इस नए स्टोर में 500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स उपलब्ध हैं, जो ग्राहकों को फैशन, एक्सेसरीज़, फुटवियर, ब्यूटी और ट्रैवल एसेंशियल्स में नवीनतम ट्रेंड्स तक पहुंच प्रदान करते हैं। आधुनिक शॉपिंग डेस्टिनेशन के रूप में डिज़ाइन किया गया यह स्टोर प्रीमियम और ग्राहक-केंद्रित रिटेल अनुभव देने की शॉपर्स स्टॉप की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।विस्तार के बारे में बात करते हुए श्री कविंद्र मिश्रा,कस्टमर केयर एसोसिएट, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शॉपर्स स्टॉप लिमिटेड ने कहा, हमारे ग्राहक हमारे हर निर्णय के केंद्र में हैं, और उनका विश्वास ही हमें विभिन्न बाज़ारों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। रायपुर में हमारे नए स्टोर का शुभारंभ एक रोमांचक अध्याय की शुरुआत है, जो शहर में प्रीमियम ब्रांड्स का विस्तृत पोर्टफोलियो और अधिक इमर्सिव शॉपिंग अनुभव लेकर आया है। हम रायपुर के एस्पिरेशनल कंज्यूमर्स के साथ अपने संबंध को और मजबूत करने तथा उन्हें शॉपर्स स्टॉप का सर्वश्रेष्ठ अनुभव देने के लिए उत्साहित हैं।

जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक के समापन समारोह में शामिल हुए आदिम जाति विकास मंत्री

आदिवासी अंचल की प्रतिभाओं को सरगुजा ओलंपिक से मिल रहा सशक्त मंच : रामविचार नेताम

रायपुर। आदिम जाति विकास तथा कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में बलरामपुर में जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का समापन हुआ। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बलरामपुर के स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय के खेल मैदान में 10 फरवरी से 12 फरवरी तक इसका आयोजन किया गया था। इस तीन दिवसीय आयोजन में खेल प्रतिभाओं के उत्साह, कौशल और ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

राज्य में पहली बार आयोजित सरगुजा ओलंपिक ग्रामीण और शहरी खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अच्छा मंच प्रदान कर रहा है। इसके जिला स्तरीय आयोजन के समापन में बलरामपुर पहुंचे आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने खिलाड़ियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। वे शंकरगढ़ और बलरामपुर की टीमों के बीच हो रहे

बालिका रस्साकसी प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचे और प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने तीरंदाजी प्रतियोगिता भी देखा और स्वयं तीरंदाजी में हाथ आजमाकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को शील्ड और मेडल प्रदान किए। सरगुजा ओलंपिक के जिला स्तरीय आयोजन के समापन के अवसर पर श्री नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि विकासखंड से लेकर जिला स्तर तक सरगुजा ओलंपिक का सुनियोजित एवं व्यवस्थित आयोजन सराहनीय है। सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच बन रहा है। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी अंचल के युवाओं को मिल रहे इस अवसर की महत्ता रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आगे बढ़ने की दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतिभागी खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास कर संभाग एवं राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

समापन समारोह में बलरामपुर के कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा, पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, वनमंडलाधिकारी श्री आलोक वाजपेयी, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य श्री कृष्णा गुप्ता, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री लोधीराम एक्का, उपाध्यक्ष श्री दिलीप सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.आर. यादव और जिला खेल अधिकारी श्री मारकूस कुजूर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी और खेलप्रेमी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

इन खेलों में दिखा रहे कौशल

सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के सभी 32 विकासखंडों के खिलाड़ी 12 खेलों में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। इनमें 5 व्यक्तिगत स्पर्धाएं और 7 दलीय खेल हैं। व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एथलेटिक्स (100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, 400 मीटर रिले), तीरंदाजी (इंडियन राउंड), बैडमिंटन, कुश्ती और कराटे शामिल रहे। वहीं दलीय खेलों में फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, रस्साकसी और बास्केटबॉल शामिल हैं। सभी प्रतियोगिताएं जूनियर वर्ग (14 से 17 वर्ष, बालक/बालिका) तथा सीनियर वर्ग (18 वर्ष से अधिक, महिला/पुरुष) में आयोजित की जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

टाटा मोटर्स ने अगली पीढ़ी के 17 ट्रकों को लॉन्च किया

नई दिल्ली : भारतीय ट्रकिंग के परिदृश्य को बदलने वाले एक ऐतिहासिक कदम में, टाटा मोटर्स, भारत का सबसे बड़ा वाणिज्यिक वाहन निर्माता और मोबिलिटी समाधान प्रदाता, ने आज 7 से 55 टन तक की क्षमता वाले 17 ट्रकों का अपना अगली पीढ़ी का पोर्टफोलियो लॉन्च किया, जो सुरक्षा, लाभ और प्रगति में नए मानक स्थापित करता है। यह व्यापक लॉन्च नई अजुरा सीरीज, अत्याधुनिक टाटा ज्ञह्लह्वष्ह्य.द्ग1 रेंज, और मशहूर प्राइमा, सिग्ना तथा अल्ट्रा प्लेटफॉर्म्स में महत्वपूर्ण अपग्रेड पेश करता है। ये ट्रक दुनिया के कड़े सुरक्षा नियमों (ECE R29 03) के हिसाब से बने हैं और इनका मकसद ट्रांसपोर्टर्स की बचत बढ़ाना, रखरखाव का खर्चा कम करना और काम को आसान बनाना है। नए ट्रकों को लॉन्च करते हुए, श्री गिरीश वाघ, एमडी एवं सीईओ, टाटा मोटर्स लिमिटेड ने कहा, भारत में ट्रकिंग का क्षेत्र सरकारी नीतियों, बेहतर सड़कों और सुरक्षित व साफ-सुथरे ट्रांसपोर्ट की मांग के कारण तेजी से बदल रहा है। टाटा मोटर्स ने हमेशा से इस बदलाव में आगे रहकर नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं जोकि इंडस्ट्री के भविष्य को आकार देते हैं। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए हमने अपनी अगली पीढ़ी के ट्रक पेश किए हैं, जिनमें नई अजुरा सीरीज, दो उन्नत शक्तिशाली उच्च दक्षता पावरट्रेन, भारत के व्यापक जीरो एमिशन वाले इलेक्ट्रिक ट्रकों की रेंज और हमारे नए I-MOEV आर्किटेक्चर पर आधारित टिपर रेंज और यूरोपीय मानकों वाले कैबिन एवं उद्योग में अग्रणी सुरक्षा फीचर्स, ज्यादा पेलोड और ईंधन दक्षता में उल्लेखनीय अपग्रेड शामिल हैं। इन ट्रकों को फ्लीट एज डिजिटल सेवाओं से भी जोड़ा गया है ताकि इन्हें चलाना और ट्रैक करना आसान हो। हमारा हमेशा बेहतर करने (बेटर ऑलवेज़) का विचार हमें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। हम नई चीजें बनाने में लगातार मेहनत करते हैं, स्थानीय उत्पादन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, और ग्राहकों की सफलता पर मजबूती से फोकस रखते हैं। ये सब आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हैं, जो भारत को आत मनिर्भर बनाने में मदद करता है और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में लीडर बनने की इच्छा को मजबूत करता है।

भागो मोबिलिटी ने होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया के साथ साझेदारी कर इंटेलिजेंट सस्टेनेबल मोबिलिटी ट्रांसपोर्ट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

नई दिल्ली: भागो मोबिलिटी ने आज भारत में तेजी से बढ़ती शहरी मोबिलिटी आवश्यकताओं को सक्षम बनाने के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा की। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के साथ साझेदारी में और होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया (एचईआईडी) के बैटरी-स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से, कंपनी दिल्ली और बेंगलुरु में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की तैनाती करेगी, जिसके बाद अगले तीन वर्षों में इसे पैन-इंडिया स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म डिलीवरी पार्टनर्स, राइड-हेलिंग ड्राइवर्स और लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स वर्कर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें एक सिंगल सब्सक्रिप्शन-बेस्ड मॉडल के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों तक पहुंच, बैटरी स्वैपिंग, अनुपालन (कंप्लायंस) और टेक्नोलॉजी सपोर्ट जैसी सुविधाएँ एकीकृत रूप से उपलब्ध कराई जाएंगी। यह प्लेटफॉर्म लचीले स्वामित्व और उपयोग मॉडल के माध्यम से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स तक ऑन-डिमांड एक्सेस प्रदान करता है। यह उन व्यक्तियों के लिए भी उपलब्ध है जो ईवी को स्वयं के उपयोग के लिए खरीदना चाहते हैं या इसे अन्य ऑपरेटर्स के उपयोग हेतु उपलब्ध कराना चाहते हैं।

कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने अपनी लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन जर्नी के पूरे किए 15 साल

मुंबई : कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होने की घोषणा की। इस योजना ने शुरू होने से अब तक 16.59% की सालाना औसत रिटर्न (CAGR) दिया है और अलग-अलग मार्केट साइकिल में लंबी अवधि में मजबूत प्रदर्शन किया है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, नीलेश शाह ने कहा कि, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड के 15 साल पूरे होना हमारे लिए और उन निवेशकों के लिए गर्व की बात है, जो लगातार इस फंड से जुड़े रहे हैं। फ्लेक्सी कैप फंड की कैटेगरी आज भी बहुत अहम है, क्योंकि यह निवेशकों को भारत की ग्रोथ की यात्रा में अलग-अलग सेगमेंट्स में निवेश का मौका देती है, जबकि मार्केट कैपिटलाइजेशन से जुड़े फैसले एक अनुभवी निवेश टीम पर छोड़ दिए जाते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड डायरेक्ट प्लान – ग्रोथ ऑप्शन ने पिछले 10 साल में 15.70 फीसदी और पिछले 5 साल में 16.87 फीसदी की सालाना औसत रिटर्न (CAGR) दिया है। इस फंड का मैनेजमेंट हर्ष उपाध्याय कर रहे हैं, जो कोटक महिंद्रा एएमसी के सीआईओ हैं। उनकी निवेश को लेकर सोच सटेबल इनकम, मजबूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पूंजी के सही उपयोग पर आधारित है। हर्षा उपाध्याय ने कहा कि, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड ने पिछले 15 साल में अलग-अलग मार्केट फेज को सफलतापूर्वक पार किया है, क्योंकि यह हमेशा मजबूत और लंबे समय तक कमाई करने वाली कंपनियों में निवेश पर केंद्रित रहा है, जिनमें पूंजी का सही इस्तेमाल होता है। हमारा फोकस हमेशा गहराई से की गई रिसर्च पर आधारित सही शेयर चुनने पर रहा है, न कि थोड़े समय के ट्रेंड्स के पीछे भागने पर। इसी सोच की वजह से यह फंड भारत की ग्रोथ स्टोरी में अच्छी भागीदारी कर पाया है और निवेशकों को लंबे समय में लगातार अच्छे नतीजे देने की कोशिश करता रहा है। फ्लेक्सी कैप फंड लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करके बदलते बाजार हालात के अनुसार खुद को ढालने की सुविधा देते हैं। दिसंबर 2025 तक, कोटक फ्लेक्सी कैप फंड का लगभग 73 फीसदी निवेश बड़ी कंपनियों में, 19 फीसदी मिडकैप कंपनियों में और 5 फीसदी स्मॉल कैप कंपनियों में है। इस फंड का पोर्टफोलियो सेक्टर के बड़े नजरिए और गहराई से किए गए शेयर चयन का मिक्स है। इसमें प्रमुख रूप से फाइनेंशियल सर्विसेज, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स, कैपिटल गुड्स, केमिकल्स, कंस्ट्रक्शन मटेरियल और कंज्यूमर सर्विसेज सेक्टर शामिल हैं। फंड की रिसर्च-आधारित रणनीति सही वैल्यूएशन और कमाई की स्पष्टता के साथ लंबे समय के निवेश अवसर पहचानने में मदद करती है।

संपादकीय

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए नुकसान का पहलू

अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से भारत के श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो हानिकारक बात होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने के बाद डॉनल्ड ट्रंप ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भारत से ट्रेड डील होने का एलान किया। कहा कि इसके तहत अमेरिका भारत पर 'लिबरेशन डे टैरिफ' को 25 से घटा कर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करेगा, अमेरिका से व्यापार में टैरिफ एवं गैर-टैरिफ रुकावटों को शून्य कर देगा, और 500 बिलियन डॉलर के ऊर्जा, तकनीक, कृषि, कोयला एवं अन्य उत्पाद खरीदेगा। 500 बिलियन डॉलर का अर्थ भारत के सालाना बजट का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा (तकरीबन 46 लाख करोड़ रुपये) है। बहरहाल, ट्रंप के सोशल मीडिया पोस्ट के बाद जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री ने सिर्फ यह उल्लेख किया कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में अब सिर्फ 18 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा। इससे ट्रेड डील को लेकर फिर से अस्पष्टता बन गई। बहरहाल, यह साफ है कि इस डील को हासिल करने के लिए भारत ने आगे बढ़ कर कई बड़ी रियायतें दी हैं। उनमें से कई तो करार के पहले ही दे दी गईं। इनमें अमेरिका के कृषि, वाहन, सौंदर्य प्रसाधन, इलेक्ट्रॉनिक्स, धातु एवं केमिकल्स उत्पादों पर भारत में आयात शुल्क में भारी कटौती शामिल है। साथ ही रक्षा सौदों का दायरा बढ़ाया गया। परमाणु उत्तरदायित्व कानून में अमेरिकी कंपनियों के अनुकूल बदलाव किया गया। ट्रंप प्रशासन के दबाव में भारत ने रूस से तेल की खरीदारी घटाई, ऐसी खबरें सुर्खियों में रही हैं। अब अगर ये पहलू ट्रेड डील का हिस्सा है, तो यह बेहद आपत्तिजनक बात होगी। इसलिए कि यह अपने संप्रभु निर्णय को किसी अन्य देश की भू-राजनीतिक जरूरतों के सामने समर्पित करने जैसा होगा। दरअसल, खरीदारियों के बारे में भी कोई व्यक्ति या देश अपनी जरूरत एवं बाजार के तर्कों से फैसला लेता है। किसी दबाव में आकर इस बारे में बंधना अपने हितों से समझौता होगा। अमेरिका में टैरिफ 18 प्रतिशत होने से वस्त्र, जेवरात आदि जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों को राहत अवश्य मिलेगी। लेकिन अमेरिका की भू-राजनीतिक रणनीतियों से जुड़ी शर्तें ट्रेड डील में शामिल हुईं, तो आर्थिक के साथ-साथ भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि के लिए भी वो नुकसान का पहलू होगा।

अब कमंडल ही मंडल हो गया

हरिशंकर व्यास

यह सवाल इसलिए है क्योंकि भाजपा सरकार ने विश्व विद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी से ऐसा नया नियम जारी कराया, जिससे देश के करीब ढाई हजार उच्च शिक्षा संस्थानों की तस्वीर बदल जाती। यह कहना अतिरंजित लग सकता है लेकिन इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि अगर यूजीसी के नियम उसी रूप में लागू होते, जिस रूप में उनको जारी किया गया था तो देश के उच्च शिक्षण संस्थान नब्बे के दशक का बिहार और उत्तर प्रदेश बन सकते थे। लालू यादव की पार्टी की एक प्रवक्ता ने इसका इशारा भी किया था। जब इन नियमों के हवाले उससे पूछा गया कि इसके जरिए तो अगड़ी जाति के छात्रों और शिक्षकों को फंसाया जा सकता है तो उसने दो टूक अंदाज में कहा कि इनको फंसाया जाना चाहिए क्योंकि ये 90 फीसदी बहुजन के अधिकार को स्वीकार नहीं करते हैं। फिर उसने हजारों साल के दमन, अत्याचार वगैरह की बातें भी कहीं। सुप्रीम कोर्ट ने जब यूजीसी के नियमों पर रोक लगाई तो सुनवाई के दौरान लालू यादव की पार्टी की प्रवक्ता के उस बयान का भी जिक्र एक वकील ने किया था। पहले कानून के हिसाब से देखें तो भारत में माना जाता है कि हर अच्छे कानून का दुरुपयोग हो सकता है। लोग उसमें लूप होल्स निकाल ही लेते हैं। लेकिन जब कानून ही खराब हो तो क्या होगा? तब तो उस कानून के दुरुपयोग की जरुरत नहीं है। फिर तो उसके सदुपयोग से भी लोगों को फंसाया जा सकता है या किसी को बचाया जा सकता है। यूजीसी ने जो नए नियम जारी किए थे वो नियम इस दूसरी श्रेणी में आते हैं। वे इतने खराब हैं कि उनके दुरुपयोग की जरुरत नहीं है। उनके सदुपयोग से भी देश के एक छोटे से जातीय समूह के छात्रों और शिक्षकों को फंसाया जा सकता है और उनके करियर पर ग्रहण लगाया जा सकता है। ध्यान रहे शिक्षण संस्थानों में किसी तरह का भेदभाव रोकने के नियम पहले से बने थे। यूपीए सरकार के समय यूजीसी ने 2012 में नियम बनाए थे, जिनमें सभी छात्रों के साथ भेदभाव रोकने के प्रावधान किए गए थे। लेकिन 2026 में नरेंद्र मोदी की सरकार के समय जो नियम जारी किए गए उसमें कई चीजें बदल दी गईं। पहले नियम में सिर्फ भेदभाव की बात कही गई थी, जबकि नए नियमों में जाति आधारित भेदभाव की बात जोड़ दी गई और सामान्य वर्ग को छोड़ कर बाकी सबको भेदभाव के संभावित शिकार के तौर पर परिभाषित किया गया। इसी तरह पुराने नियम में गलत शिकायत करने वाले के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया। इस तरह गलत शिकायत करके किसी को फंसाने का लाइसेंस दिया गया। पुराने नियम में शिकायत सुनने वाली कमेटी में सभी वर्गों के सदस्य रखने का प्रावधान था, जबकि नए नियम में एससी, एसटी, ओबीसी सदस्य रखने को अनिवार्य किया गया और सामान्य वर्ग का सदस्य रखने की अनिवार्यता नहीं रखी गई। नए नियम में भी रैगिंग को शामिल नहीं किया गया, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि अगर रैगिंग का शिकार सामान्य वर्ग का कोई लड़का शिकायत करे तो क्या उसके ऊपर भी भेदभाव की कार्रवाई हो सकती है। सवाल है कि क्या यूजीसी ने बिना सोचे समझे ये नियम जारी कर दिए या कोई ऐसा बैठा है, जिसके मन में सामान्य वर्ग के प्रति पूर्वाग्रह है और उसने सबक सिखाने के लिए इस तरह के नियम बनाए या सोच समझ कर राजनीतिक योजना के तौर पर ये नियम बनाए गए ताकि राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं के हाथ से बहुजन राजनीति का कार्ड छीना जा सके? ध्यान रहे लोकसभा चुनाव 2024 के बाद से नरेंद्र मोदी और उनकी टीम बहुत सावधान हो गई है।

बांग्लादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडे

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी 2026 के संसदीय चुनावों में भारी जीत हासिल की है। उसने 300 सीटों में से 151 से 209 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। इससे बंगलादेश में बीएनपी की भारी जीत से भारत के लिए सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं, क्योंकि यह अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग के पतन के बाद पहला बड़ा चुनाव है, जो 2024 के छात्र-आंदोलन से उभरा था।

चूंकि बीएनपी पहले से सत्ता में रहती आई है, इसलिए उसकी जीत के वैश्विक मायने भी हैं। वह यह कि पार्टी कमोबेश पूर्व प्रधानमंत्री स्व.बेगम खालिदा जिया के अधूरे सपनों को ही साकार करेगी। वो भी तब जब उनके पुत्र तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। देखा जाए तो बीएनपी ने जमात-ए-इस्लामी को काफी पीछे छोड़ते हुए प्रचंड जीत दर्ज की है, जहां जमात को महज 42-68 सीटें ही मिलीं हैं। इसप्रकार तारिक रहमान, जो कि बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, देश के संभावित प्रधानमंत्री बन सकते हैं। बीएनपी की जीत की वजह यह है कि पार्टी ने गरीबी उन्मूलन, भ्रष्टाचार विरोध और विदेशी निवेश पर जोर दिया है। इससे भारत के लिए सियासी मायने भी साफहैं। भले ही भारत-बीएनपी संबंध ऐतिहासिक रूप से तनावपूर्ण रहे हैं, खासकर पाकिस्तान और जमात से बीएनपी के पुराने गठजोड़ के कारण। इसलिए उनकी जीत से भारत को सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर क्षेत्र में अस्थिरता और चरमपंथी समूहों की चिंता बढ़ सकती है, हालांकि बीएनपी समानता-आधारित संबंधों का वादा कर रही है। खासकर हसीना युग के बाद विदेश नीति में बदलाव से व्यापार, जल बंटवारा और कनेक्टिविटी पर असर पड़ सकता है। वहीं बीएनपी की जीत से दुनिया के लिए भी सियासी मायने साफहैं। बीएनपी की जीत बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता ला सकती है, लेकिन विदेश नीति में संतुलन अपनाने से चीन और पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत हो सकते हैं। वहीं दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक बदलाव संभव है, जहां भारत के प्रभाव में कमी और चीन के निवेश (2.1 बिलियन) बढ़ सकता है। वैश्विक रूप से, यह क्षेत्रीय गठबंधनों को प्रभावित कर सकता है, खासकर म्यांमार शरणार्थी और आर्थिक सुधारों के संदर्भ में।

यह ठीक है कि भारत और बीएनपी के बीच संबंध सुधारने के प्रयास चुनाव से पहले ही शुरू हो चुके हैं, जिसमें एस जयशंकर की तारिक रहमान से बहुत मैत्रीपूर्ण चर्चा शामिल है। हालांकि हसीना के भारत में रहने से तनाव बरकरार है, फिर भी दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने को इच्छुक दिख रहे हैं। इसलिए संभावित सुधार के कदम उठाये जा सकते हैं। खासकर राजनयिक संपर्क बढ़ाना, क्योंकि भारत ने बीएनपी नेताओं से मुलाकातें कीं, जैसे प्रणय वर्मा की मीरजा फखरुल से, जहां बीएनपी ने भारत की सुरक्षा हितों का सम्मान करने का आश्वासन दिया।

वहीं, व्यापार और वीजा बहाली के दृष्टिगत यात्रा, व्यापार और वीजा प्रतिबंध हटाने पर फोकस किया जा सकता है, जो हसीना के बाद बाधित हो गए थे। खासकर जल बंटवारा और सीमा मुद्दे हल करना यानी बीएनपी पानी बंटवारे और सीमा हत्याओं (जैसे फेलानी घटना) पर जोर दे रही है। इसलिए कुछ चुनौतियां भी आएंगी, क्योंकि बीएनपी हसीना की प्रत्यर्पण की मांग कर रही है, जिसे भारत शरण दे रहा है, इससे जन-भावना भी प्रभावित हो रही है।

वहीं, जमात-ए-इस्लामी का प्रभाव और पाक-चीन झुकाव भारत की चिंता बढ़ा सकता है। फिर भी भविष्य की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। चूंकि बीएनपी समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों का वादा कर रही है, जबकि भारत अल्पसंख्यक सुरक्षा और चरमपंथ विरोध की शर्त रख रहा है। इसलिए विशेषज्ञों के अनुसार, व्यावहारिक आवश्यकताएं रीसेट सुनिश्चित करेंगी, लेकिन ऐतिहासिक अविश्वास दूर करने में समय लगेगा।

यद्यपि तारिक रहमान, जो बीएनपी के प्रमुख नेता हैं, और भारत के प्रति संयमित और तटस्थ रुख अपनाते दिख रहे हैं, जो अतीत के तनावपूर्ण रिश्तों से अलग है। वे समानता-आधारित पड़ोसी संबंधों पर जोर देते हैं, लेकिन शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखते हैं। उनका मुख्य स्टैंडपॉइंट्स यह है कि अल्पसंख्यक सुरक्षा और स्थिरता के नजरिए से वो अपने भाषणों में अहिंसा, कानून के राज और हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का वादा किया, जो भारत की चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, समानता का जोर के मद्देनजर बराबरी के रिश्ते चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पुरानी असमानताओं (जैसे जल बंटवारा, सीमा हत्याएं) पर बात उठाई, लेकिन टकराव से बचते हैं। हाँ, भारत में शरण लेने वाली हसीना को वापस लाने की मांग, जो सबसे बड़ा विवादास्पद मुद्दा है। हालांकि हालिया संकेत यही है कि ढाका लौटने के बाद उनके संयमित भाषण को खुफिया एजेंसियां इंडिया-न्यूट्रल मान रही हैं, जो 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से अलग है। लिहाजा भारत के साथ सहयोग संभव, लेकिन पाकिस्तान-चीन झुकाव और जमात प्रभाव चिंता का विषय है। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यावहारिकता से रिश्ते सुधर सकते हैं।

देखा जाए तो तारिक रहमान के हालिया भाषणों में भारत का सीधा जिक्र बहुत कम या न के बराबर आया है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से सकारात्मक संकेत दिए गए हैं। वहीं उनके भाषणों की मुख्य शैली में भारत का प्रत्यक्ष उल्लेख न करना समाहित है। खासकर ढाका लौटने (25 दिसंबर 2025) के 17 मिनट के पहले भाषण में भारत का नाम नहीं लिया, लेकिन अल्पसंख्यक सुरक्षा (हिंदू, बौद्ध आदि), अहिंसा और कानून के राज पर जोर दिया—जो भारत की प्रमुख चिंताओं को संबोधित करता है।

वहीं, बांग्लादेश फर्स्ट नारा यानी ना दिल्ली, ना रावलपिंडी, सबसे पहले बांग्लादेश कहकर तटस्थ विदेश नीति का संकेत दिया, जो पुराने भारत-विरोधी रुख से अलग है। उनके सकारात्मक संदेश साफहैं। वो ये कि अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय अपील की, समावेशी बांग्लादेश का खाका पेश किया, जो खुफिया एजेंसियों ने री-अश्योरेंस सिग्नल माना। देखा जाए तो उनके ये भाषण बीएनपी की री-ब्रांडिंग का हिस्सा हैं, जहां 2001-06 के भारत-विरोधी दौर से दूरी दिखाई गई। कूटनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, यह भारत के साथ संबंध सुधारने का रणनीतिक संकेत है, हालांकि हसीना प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे लंबित हैं।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

डॉ. महेन्द्र सिंह

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया। ये हैं : ( ) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उनकी क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वत: विहित रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। विकसित भारत के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुत:, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी।

वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाधनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं। मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी। इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं: टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दर्शाते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं। जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक फिस्कल स्पेस मिल सकेगा।

जीने की मिठास तो इश्क से होती है, फिर चाहे वो खीर हो या शीर - खुरमा हैप्पी वेलेंटाईन डे.... टू एवरी कपल

जरीनाज अंसारी - डॉ. शगुफ्ता परवीन

जज्बात, तसव्वुर, तमन्ना, दीवानगी, एहतराम, और नवाजिश को मुखर करने वाली इनकी इश्किया जिंदगी मुहब्बती छुअन के साथ अनूठी और दुनिया की मतलबी व मजहबी कैफियत से बेनियाज़ रही है। गुज़िश्ता तीन दशकों से सकून से जी रही चार जिंदगियों के कुनबे की आपसी मिठास इस परिवार को औरों से उम्दा तो बनाती ही है, वहीं इश्क से लबरेज रिश्ते को मुक्कमल करने की खातिर मजहबी दीवार को जमींदोज करने वाले इस मिसाली परिवार को ईश्वर ने भी अपनी नियामत से नवाजा है । तभी तो पुलिस सब इंसपेक्टर की नौकरी से शुरूवात करने वाले जनाब अकीक खोखर खुद को स्टेट पुलिस सर्विस के ओहदे तक खुद को ना केवल पहुँचाया है, अलबत्ता अब तक की म.प्र.छत्तीसगढ़ पुलिस की नौकरी में कानून और संविधान की रक्षा करने का परचम लहराने का भी इन्हें शोहरत हासिल है । जबकि इनकी धर्मपत्नी प्रीति चखियार एम. पी. पी.एस.सी से महिला एवं बाल विकास अधिकारी में नियुक्त होकर ज्वाइंट डायरेक्टर के पद से वालियंटरी रिटायरमेंट ली हैं और अब सोशल लाईफ की बहुआयामी जीवन गुजार रहीं हैं। वहीं इन दोनों की बेटी अर्शी उर्फ शिमोना एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर फिलहाल पी. जी. की तैयारी में जुटी हैं, तो बेटा शेरान कॉमर्स में

ग्रेजुएशन कर हालिया हाल एलएलबी की पढ़ाई में मशरूफ हैं। बेखौफ बातचीत में श्रीमति प्रीति चखियार बतातीं हैं कि वह प्रतिष्ठित कायस्थ परिवार से हैं, जबकि उनके पति जनाब अकीक खोखर जी भी प्रतिष्ठित मुस्लिम परिवार से बिलॉग करते हैं। एम.कॉम., एम. फिल. की पढ़ाई के बाद एम. पी. पी.एस.सी. से महिला एवं बाल विकास अधिकारी के पद पर नियुक्ति मिली थी। साल 1996 में उनकी पोस्टिंग रायगढ़ जिले में हुई रही, सरकारी आयोजनों तथा अन्य समारोह में आने जाने के दौरान थाना चन्द्रपुर में तैनात जनाब अकीक खोखर बतौर थाना प्रभारी से औपचारिक मुलाकात होती थी । हाँलाकि हम दोनों की कॉमन फ्रैण्ड कथक नृत्यांगना वासंती वैष्णव के जरिए हमारी औपचारिक मुलाकात पारिवारिक मुलाकातों में तब्दील होती गई, यह सिलसिला बढते गया और हमदोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे और लगा कि मेड फॉर इच अदर । और हाँ उस वक्त तो कमल हासन और रति अग्निहोत्री की फिल्म एक दूजे के लिए की धूम भी मची हुई थी, लेकिन इस फिल्म के अंत जैसा हमारी स्टोरी को हशर नहीं हुआ अलबत्ता हमारी लव स्टोरी परवान चढ़ती गई चूँकि हम सरकारी मुलाजिम रहे तो हम लोग मजहबी रीति रिवाजों से इतर भारतीय विवाह अधिनियम के तहत वैवाहिक बंधन में बंधने का निर्णय लिए । तब बिलासपुर के पूर्ववर्ती कलेक्टर श्री एम. के. राउत सर से मिलकर विधि सम्मत प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हुए 26 दिसंबर 1996 को बिलासपुर कलेक्टोरेट में कोर्ट मैरिज किए। तब से अब तक हम दोनों के तकरीबन तीस वर्षीय वैवाहिक सफर के दौरान लड़ते-झगड़ते खट्टे-मीठे अनुभवों का आमना सामना करते हुए हमें एक बेटी और एक बेटा के माँ—पिता बनने का फ़क्र हासिल हुआ। पूरी इस बातचीत के मसौदे से ही जेहन में उभरे कुछेक सवालों के जवाब में प्रीति कहतीं हैं कि हमारा समाज पुरूष प्रधान समाज है, इसलिए लडके द्वारा किए गये कार्य उनके परिजनों के द्वारा स्वीकार कर लिए जाते हैं या यूँ कहिए स्वीकार करना पड़ता है तो खोखर परिवार के द्वारा मुझे भी बाखुशी कबूल कर लिया गया पर मेरे मायके में सभी कुछ अभी तक सामान्य नहीं हो सका है। भाई लोगों में अभी भी स्वीकार करने की हिचक सी है, फिर भी बहुत कुछ सही हो चुका है जो शेष है वह भी भविष्य में बेहतर हो जाने की आस रखी हुई हूँ। इसी उम्मीद पर मेरी तरफ से रिश्ता कायम है अलबत्ता बहनों से ताल्लुकात खुशनुमा है। धर्म और आस्था के प्रति हम दोनों शुरू से ही उदारमना रहे हैं, दीवाली और ईद हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने की परंपरा हमारे घर में है और मजे की बात बताती हूं आपको चूँकि दोनों बच्चों की पैदाईशी के बाद उनके लालन पालन और देखरेख की जिम्मेदारी निभाई हैं हमारी घरेलू सहायिका सुरमिला तिर्की विगत सत्ताईस सालों से अभी तक हमारे घर पर फेमिली मेम्बर के जैसे ही है तो यकीन मानिए हमारे बच्चों को हिन्दू, मुस्लिम और ईसाई धर्म की तहजीब और तालीम एक साथ ही मिली हुई है या यूँ कहिए तीनों धर्मो की घुट्टी हमारे बच्चों को मिली है तो इस मायने में हम पाँचों बेहद ही खुशनसीब हैं कि एक ही घर में तीनों धर्मों के रीति रिवाज, तीज त्यौहार मनाने का सिलसिला जारी है। इस तरह के माहौल में बच्चे भी रम चुके हैं और नजरिया भी सद्भावना से भरापूरा है। जाहिर है कि हम दोनों के विवाह बंधन से परिवार में ना कोई बंदिशें है और ना ही कोई पाबंदियाँ। और आखिर में प्रीति संजीदगी के साथ कहतीं है कि इश्क का कोई रंग नहीं होता, पर जब दो संस्कृतियाँ मिलती है, तो जिंदगी इन्द्रधनुषी जैसी सतरंगी बन जाती । हमारी कहानी दुनियाँ से अलग हो सकती है पर हमारे लिए ये सिर्फसूकून ही है जहाँ इबादत और प्रार्थना एक घर में बसती गूँजती है। असली वेलेंटाईन डे वही है जो हर दिन अपने रिश्ते को सम्मान, धैर्य, और स्नेह से सिंचित करें। मिठास तो इश्क से होती है, दिल से होती है, फिर चाहे वो खीर हो या शीर - खुरमा 7 अपने जीवन में प्यार और सामंजस्य सबसे उपर रखिए फिर कहिए हैप्पी वेलेंटाईन डे...टू एवरी कपल

(सहयोगी : सुरेंद्र वर्मा, बिलासपुर).

अगर आप सोचते हैं कि सिर्फ महंगी क्रीम और सीरम आपकी स्किन को हेल्दी बनाए रखेंगे, तो आप सिर्फ एक पहलू पर ध्यान दे रहे हैं। दरअसल, हमारी स्किन की हेल्थ इस बात पर ज्यादा निर्भर करती है कि हमारा खान-पान सही है या नहीं। सही खान-पान आपकी त्वचा को चमकदार और स्वस्थ बना सकता है, लेकिन गलत डाइट इसे गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। , कुछ फूड्स आपकी त्वचा के लिए रेड फ्लैग यानी खतरे की घंटी हैं। इनसे परहेज करना आपकी स्किन को हेल्दी और जवां बनाए रखने के लिए जरूरी है। आइए जानें इनके बारे में।

स्किन को हेल्दी रखने के लिए डाइट पर ध्यान देना जरूरी

फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप

यह एक आर्टिफिशियल स्वीटनर है, जो अक्सर सोडा, पैकेट वाले जूस, बिस्कुट और प्रोसेस्ड जंक फूड में पाया जाता है। डॉक्टर के अनुसार, यह चीनी की तुलना में 10 गुना ज्यादा खतरनाक है और आपकी त्वचा के प्रोटीन को तेजी से नुकसान पहुंचाता है। यह शरीर में AGE (Advanced Glycation End products) बनाता है, जो सीधे आपकी त्वचा के कोलेजन को खत्म कर देते हैं। नतीजा यह होता है कि त्वचा सख्त हो जाती है, झुर्रियां तेजी से बनने लगती हैं और यह आपके लिवर को भी नुकसान पहुंचाता है। अगर आप पैकेट बंद प्रोसेस्ड फूड ज्यादा खाते हैं, तो आप प्रीमैच्योर एजिंग को बुलावा दे रहे हैं।

बार-बार गर्म किया गया रिफाइंड तेल

अक्सर हम बाहर के समोसे या डीप-फ्राइड स्नैक्स का आनंद लेते हैं, लेकिन समस्या यह है कि दुकानदार एक ही तेल को बार-बार गर्म करते हैं। बार-बार गर्म करने से तेल की संरचना बदल जाती है। डॉ. रेड्डी बताती हैं कि हर बार तेल गर्म होने पर उसमें मौजूद सुरक्षात्मक विटामिन-ई डैमेज हो जाता है। इस ऑक्सीडाइज्ड फैट से शरीर और त्वचा में अंदरूनी सूजन पैदा होती है।

क्रिस्पी और ज्यादा तले हुए फूड्स

फ्रेंच फ्राइज, पकौड़े और चिप्स का सुनहरा भूरा रंग और कुरकुरा टेक्सचर हमें बहुत लुभाता है। लेकिन यही कुरकुरापन सेहत के लिए खतरनाक है। डॉक्टर के अनुसार, जब खाने को बहुत अधिक तापमान पर कुरकुरा किया जाता है, तो उसमें एक्रिलामाइड बनता है। खाना जितना गहरा और क्रिस्पी होगा, उसमें AGEs की मात्रा उतनी ही ज्यादा होगी। ये तत्व सीधे आपकी त्वचा की संरचना को नुकसान पहुंचाते हैं और कोलेजन को तेजी से डैमेज करते हैं, जिससे त्वचा अपनी फ्लेक्सिबिलिटी खो देती है।

विजया एकादशी जानिए तिथि, महत्व और नियम

वर्ष 2026 में विजया एकादशी का व्रत 13 फरवरी, शुक्रवार को रखा जाएगा। यह फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। यहाँ इस तिथि और इसके महत्व से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी गई है। विजया एकादशी 2026 का व्रत 13 फरवरी, शुक्रवार को रखा जाएगा। जानिए इसकी सही तिथि, महत्व, पूजा विधि और व्रत से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी।

विजया एकादशी 2026 की तिथियां और मुहूर्त

एकादशी तिथि प्रारंभ: 12 फरवरी 2026 को दोपहर 12:22 बजे से।

एकादशी तिथि समाप्त: 13 फरवरी 2026 को दोपहर 02:25 बजे तक।

व्रत की तिथि (उदया तिथि): 13 फरवरी 2026।

पारण (व्रत तोडने) का समय: 14 फरवरी 2026 को सुबह 07:00 बजे से 09:14 बजे के बीच।

विजया एकादशी का महत्व

विजय' दिलाने वाली: जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है, यह एकादशी जीवन के हर क्षेत्र में 'विजय' दिलाने वाली मानी गई है। इसके महत्व के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं:

शत्रुओं पर विजय: धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति इस दिन पूरी श्रद्धा के साथ व्रत रखता है, उसे अपने शत्रुओं और विरोधियों पर विजय प्राप्त होती है।

भगवान राम से संबंध: पौराणिक कथा के अनुसार, जब भगवान श्री राम लंका पर आक्रमण करने जा रहे थे और विशाल समुद्र उनके मार्ग में बाधा बना था, तब उन्होंने मुनि बकदाल्भ्य के कहने पर अपनी सेना सहित विजया एकादशी का व्रत किया था। इसी व्रत के प्रभाव से उन्हें समुद्र पार करने और रावण पर विजय पाने में सफलता मिली।

बाधाओं की मुक्ति: व्रत कठिन परिस्थितियों और जीवन में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए अचूक माना जाता है।

मोक्ष की प्राप्ति: एकादशी का व्रत करने से न केवल सांसारिक सुख मिलते हैं, बल्कि जातक के पिछले जन्मों के पाप कटते हैं और अंत में मोक्ष की प्राप्ति होती है।

खाने का सही क्रम अपनाएं

हेल्दी रहने के लिए अच्छा खाना और समय पर खाना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। अपने सेहत दुरुस्त रखने के लिए लोग अक्सर इस बात कर गौर करते हैं कि वह क्या खा रहे हैं और कब खा रहे हैं, लेकिन कैसे खा रहे हैं, इस पर कोई ध्यान नहीं देता। आपको जानकर हैरानी होगी आपके खाने का क्रम भी काफी हद तक आपकी सेहत को प्रभावित करता है। आज इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि कैसे खाने का क्रम आपकी सेहत को प्रभावित करता है और खाने का सही क्रम क्या है?

अक्सर खाने की शुरुआत में लोग पहले रोटी, फिर सब्जी और बाद में सलाद खाते हैं, लेकिन यह खाने का सही क्रम या सीक्वेंस नहीं है। साइंस के मुताबिक इस सीक्वेंस को रिवर्स करना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हेल्दी रहने के लिए खाने के इस सीक्वेंस को फॉलो करें

क्या है खाने की सही सीक्वेंस?

सबसे पहले: हरी सब्जियां (फाइबर) खाएं।

उसके बाद: प्रोटीन और फैट जैसे-दाल, चिकन, मछली, पनीर खाएं।

सबसे अंत में: रोटी, चावल, आलू, पास्ता जैसे कार्बोहाइड्रेट्स खाएं।

बदलनी होगी खाने की आदत

अक्सर भूख लगने पर हम सबसे पहले रोटी, चावल, चिप्स या ब्रेड (कार्बोहाइड्रेट्स) खाना शुरू कर देते हैं, लेकिन अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको अपनी यह आदत बदलनी होगी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, आप 'क्या' खा रहे हैं, इसके साथ-साथ यह भी मायने रखता है कि आप 'किस क्रम' (Order) में खा रहे हैं।

आखिर में कार्ब्स खाने के फायदे

शुगर स्पाइक नहीं होता: जब आप कार्ब्स (रोटी/चावल) को लास्ट में खाते हैं, तो यह शरीर में धीरे-धीरे पचता है। इससे खाने के तुरंत बाद ब्लड शुगर एकदम से नहीं बढ़ता। जब आप खाने की शुरुआत सब्जियों से करते हैं, तो इसमें मौजूद फाइबर की वजह से आपका पेट जल्दी भर जाता है। नतीजा यह होता है कि आप लास्ट में रोटी या चावल कम खाते हैं, जिससे कैलोरी कंट्रोल में रहती है।

मेकअप ब्रश और स्पंज साफ करने के लिए अपनाने के टिप्स

मेकअप प्रोडक्ट्स एक्सपायरी कभी इस्तेमाल नहीं करने चाहिए, वैसे ही मेकअप के ब्रश गंदे नहीं होने चाहिए। मेकअप ब्रश अगर गंदे होंगे, तो वही गंदगी आपकी स्किन पर जाएगी। ऐसे में स्किन से जुड़ी एलर्जी, इंफेक्शन का खतरा बढ़ेगा। मेकअप ब्रश को वैसे तो लोग बॉक्स में बंद करके रख देते हैं लेकिन अक्सर इनमें मेकअप लगा रहता है और ये नुकसानदायक हो जाता है। अगर आप भी मेकअप ब्रश और स्पंज को साफ नहीं कर पाती हैं, तो हम आपको सफाई के आसान हैक्स बताते हैं। इससे ब्रश और स्पंज दोनों आसानी से साफ हो जाएंगे।

1- साबुन-शैंपू

गुनगुने पानी में शैंपू या फिर साबुन डालकर घोल बनाएं। इसमें 5-10 मिनट के लिए ब्रश भिगोकर रख दें। इसके बाद दूसरे साफ टूथब्रश से मेकअप ब्रशेस को साफ करें।

2- सिरका-नींबू घोल

गुनगुने पानी में सिरका और नींबू के रस को मिलाकर घोल तैयार करें। इसमें मेकअप ब्रश को डुबोकर रखें। सिरका-नींबू क्लीनिंग एजेंट माने जाते हैं, ये डस्ट पार्टिकल्स को हटा देंगे।

3- नारियल का दूध

मेकअप ब्रश में मौजूद गंदगी चिकनाई से भी हट सकती हैं। इसके लिए आपको एक छोटे कटोरे में एक चम्मच नारियल का दूध और एक चम्मच डिश सोप मिलाकर घोल तैयार करना होगा। अब इसमें ब्रश और स्पंज को भिगोकर रखें और फिर साफ पानी से धोएं।

4- ऑलिव ऑयल

मेकअप स्पंज को साफ करने के लिए गर्म पानी में ऑलिव ऑयल और शैंपू को मिलाकर घोल बनाएं। इसमें स्पंज को 15 मिनट के लिए भिगोकर रखें और फिर अच्छे से निचोड़ दें। इसके बाद 4-5 बार साफ पानी से क्लीन करें, फिर सूखने के लिए रखें।

5- टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल और बेबी शैंपू के घोल में भी मेकअप ब्रश और स्पंज को साफ कर सकती हैं। घोल बनाकर ब्रश इसमें भिगोकर रखें और फिर 15 मिनट बाद साफ पानी से धोएं। सभी ब्रश को अच्छे से धोएं और फिर सुखाकर ही बॉक्स में रखें। गीले ब्रश में मेकअप चिपक जाएगा।

आपके चेहरे की खूबसूरती को निखार सकते हैं झुमके

झुमके किसी भी इंडियन आउटफिट में जान डाल देते हैं। भले ही आप कोई ज्वैलरी ना पहनें लेकिन साड़ी या सूट के साथ झुमके डाल लिए, तो खूबसूरती अपने आप ही निखर जाती है। अब झुमके अलग-अलग साइज और डिजाइन में मौजूद होते हैं। आप पर भला कौन सा डिजाइन अच्छा लगेगा, ये आप अपनी फेस शेप के हिसाब से जान सकती हैं।

सही झुमके जहां आपके चेहरे की खूबसूरती को निखार सकते हैं, वहीं गलत झुमके फेशियल फीचर्स को दबा सकते हैं।

डायमंड फेस शेप के लिए चुनें ये झुमके

डायमंड फेस शेप में ऐसे झुमके परफेक्ट लगते हैं जो आपकी चीकबोन को नेचुरली एन्हांस करें। इसके लिए आप मीडियम लेंथ झुमके चुन सकती हैं। ये आपके फेशियल फीचर्स को और भी शार्प और सुंदर दिखाते हैं।

अगर आपका चेहरा गोल है तो आपके गाल भरे हुए होंगे और जॉ लाइन सॉफ्ट होगी। ऐसे में आपको थोड़े लंबे झुमके और एंगुलर डिजाइन चूज करने चाहिए। इससे आपकी फेशियल शेप काफी बैलेंस हो कर आएगी।

स्क्वेयर (चौकोर) फेस शेप

स्क्वेयर यानी चौकोर फेस शेप में माथा थोड़ा ब्रॉड होता है और जॉ लाइन एकदम डिफाइंड होती हैं। ऐसे में आपको थोड़े राउंड और सॉफ्ट एजेस वाले झुमके चुनने चाहिए। ये आपके फेशियल फीचर्स को एक बैलेंस देते हैं, जिससे ओवरऑल लुक काफी निखर कर आता है। ओवल फेशियल शेप एक एम्प्टी कैनवस की तरह है यानी आप अलग अलग एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। ओवल फेस पर हर शेप और डिजाइन के झुमके ही अच्छे लगते हैं, ऐसे में आप नए ट्रेंड और अपनी पसंद के मुताबिक चुन सकती हैं।

उबालते हुए चावल चिपकने से बचाने के उपाय

पहली बार सुनने में यह अजीब लग सकता है कि चावल उबालते समय पानी में नींबू डालना चाहिए। ना तो चावल में नींबू की खुशबू आती है, ना ही खट्टा स्वाद महसूस होता है, फिर भी यह तरीका पीढ़ियों से भारतीय रसोई में अपनाया जा रहा है। आखिर ऐसा क्या खास है इस छोटे से हैक में कि लोग आज भी इस पर भरोसा करते हैं? दरअसल, चावल उबालते समय नींबू डालने के पीछे सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि सेहत और टेक्सचर से जुड़ी ठोस वजहें हैं।

चावल के दाने क्यों रहते हैं अलग-अलग?

जब हम चावल उबालते हैं, तो उसमें मौजूद स्टार्च बाहर निकल आता है। यही स्टार्च चावल को चिपचिपा बना देता है। नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड इस स्टार्च को टूटने में मदद करता है जिससे चावल के दाने आपस में चिपकते नहीं हैं। नतीजा यह होता है कि चावल ज्यादा सफेद, हल्के और एक-एक दाना अलग-अलग नजर आता है।

चावल क्यों दिखते हैं ज्यादा सफेद और फूले हुए?

नींबू का हल्का एसिडिक नेचर चावल के बाहरी हिस्से पर काम करता है जिससे ओवरकुकिंग कम होती है। इससे चावल मटमैले नहीं होते और उनकी नेचुरल चमक बनी रहती है। यही वजह है कि होटल या ढाबों जैसे फूले-फूले चावल घर पर भी आसानी से बन जाते हैं।

डायबिटीज के लिए क्यों बेहतर माना जाता है?

यह हैक सिर्फ टेक्सचर तक सीमित नहीं है। जब चावल को ड्रेनिंग प्रोसेस से पकाया जाता है यानी उबलने के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाता है और उसमें नींबू व एक चुटकी नमक डाला जाता है, तो चावल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI) कम हो सकता है।

सही तरीका क्या है?

चावल उबालते समय पानी में आधा नींबू का रस या फिर 2-3 नींबू के टुकड़े डालें। साथ में एक चुटकी नमक डालना भी फायदेमंद होता है। चावल पकने के बाद अतिरिक्त पानी निकाल दें। भाप में पकाने की बजाय ड्रेनिंग मेथड अपनाएं।

क्या रोजाना खाने के बाद मीठा खाना सही है?

एक्सपर्ट से जानें सही जवाब

खाने के बाद मीठा खाने की आदत भारतीय में बहुत आम है। आपने कई लोगों से सुना होगा कि, "कुछ मीठा मिल जाता तो मजा आ जाता"। कोई चॉकलेट, कोई मिठाई, कोई हलवा तो कोई सिर्फ गुड़ खाके ही अपनी मीठे खाने की क्रेविंग को कम करते हैं। लेकिन बदलती लाइफस्टाइल, बढ़ता तनाव और कम होती फिजिकल एक्टिविटी के बीच यही आदत कई सवाल भी खड़े करती है। क्या रोजाना खाने के बाद मीठा खाना वाकई शरीर के लिए अच्छा है भी या नहीं।

रोजाना मीठा खाने की आदत सही या नहीं?

होलिस्टिक डाइटिशियन और इंटीग्रेटिव थेरोपेटिक न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर गीतिका चोपड़ा बताती हैं कि अगर कोई रोज मीठा खा रहा है लेकिन काफी कम मात्रा में तो कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन बहुत ज्यादा मीठा और हर खाने के बाद मीठा खाने से समस्या हो सकती है। ज्यादा मीठा खाने से इंसुलिन स्पाइक हो सकता है। जब इंसुलिन स्पाइक होगा तो शरीर में HBA1C बढ़ जाता है। जिसका मतलब है कि, इससे डायबिटीज होने का खतरा ज्यादा रहता है।

मीठे की तलब क्यों होती है?

अब सवाल ये है कि आखिर मीठे की तलब क्यों होती है। इसको लेकर गीतिका कहती हैं कि मीठे की तलब का कनेक्शन भी इंसुलिन से ही है। जब शरीर में इंसुलिन स्पाइक अप होता है तो हार्मोनल इंबैलेंस भी होता है। जिसकी वजह से शरीर को मीठे की तलब होने लगती है। ऐसे में आपको अपना इंसुलिन बैलेंस रखना होगा, जिससे मीठे की क्रेविंग भी नहीं होगी और शरीर कई बीमारियों से बचा रहेगा।

सफेद चीनी को बताया जहर

गीतिका कहती हैं कि, सफेद चीनी तो हमारे शरीर के लिए वैसे भी जहर से कम नहीं है। WHO ने माना है कि, सफेद चीनी का सेवन हमारे शरीर के लिए जहर जैसा है, जो धीरे-धीरे अपना असर दिखाती है। ऐसे में इससे बिल्कुल परहेज करना चाहिए। सफेद चीनी की जगह आप गुड़, शहद या देसी खांड जैसे स्वीटनर का सेवन कर सकते हैं।

गीतिका बताती हैं कि इंसुलिन स्पाइक होने पर शुगर के साथ ही फैट भी बढ़ने लगता है। दरअसल, इंसुलिन फैट स्टोरज हार्मोन होता है। जैसे -जैसे इंसुलिन बढ़ता है वैसी ही शरीर में फैट भी ज्यादा जमा होने लगता है। जो वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। इसके अलावा ये हार्ट हेल्थ के लिए भी अच्छा नहीं होता है। वेबमेड के मुताबिक, अगर आप ज्यादा मीठा खाते हैं तो फैट सेल्स डिस्टर्ब हो जाती है। ऐसे में वो एक केमिकल छोड़ती है जिससे वजन बढ़ता है।

खबर-खास

ग्राम औंधी में दो दिवसीय स्वर मानस गान,रामधुनी ,फाग गीत, राऊत नाच एवं पंडवानी समारोह दिनांक 14 एवं 15 को

पाटन (समय दर्शन)। मर्यादा पुरुषोत्तम परमपिता राघवेन्द्र सरकार की असीम कृपा से ग्राम औंधी भिलाई -3 में समस्त ग्राम वासियों के उदारतापूर्ण सहयोग, आशीष ,स्नेह एवं सौजन्य से दो दिवसीय मानस गान, रामधुनी,फाग पंडवानी एवं राऊत नाच का आयोजन दिनांक 14 फरवरी शनिवार और 15 फरवरी रविवार को आयोजन किया जा रहा हैं ।उक्त ज्ञान गंगा में आप सभी रस पान करने हेतु सादर आमंत्रित है। इस कार्यक्रम में उद्घाटन समारोह (दीप प्रज्वलित) के मुख्य अतिथि - श्रीमती ममता सावंल जी (प्राचार्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय औंधी) ,अध्यक्षता - श्री परदेशी राम देशलहरे जी (सरपंच ग्राम पंचायत औंधी) ,विशेष अतिथि - श्री कमलनारायण चौहान जी (प्रधानपाठक शास.पूर्व मा.शाला औंधी) ,श्रीमती रचना वर्मा जी (प्रधानपाठिका शास.प्राथमिक शाला औंधी) ,श्री दीपक चंद्राकर जी (उपसरपंच ग्राम पंचायत औंधी) होंगे। समापन एवं पुरूस्कार समारोह के मुख्य ?अतिथि माननीय श्री भूपेश बघेल जी (पूर्व मुख्यमंत्री छ.ग.एवं विधायक पाटन) ,अध्यक्षता - मान.श्री राकेश ठाकुर जी (अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी) ,मान.आशीष वर्मा जी (पूर्व ओ एस डी पूर्व मुख्यमंत्री छ.ग.),विशिष्ट अतिथि - मान.श्री देवेन्द्र चंद्रवंशी जी (सदस्य जिला पंचायत दुर्ग) ,सु श्री संतोषी तिवारी जी (छाया सदस्य जिला पंचायत दुर्ग) ,मान. श्री रविशंकर वर्मा जी (पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन) की गरिमा मयी उपस्थिति रहेंगी । इस कार्यक्रम की जानकारी बहुउद्देशीय आयोजन समिति औंधी के अध्यक्ष गजाधर वर्मा जी एवं सचिव सत्तू लाल साहू ने दी है।

दो दिवसीय जसगीत झांकी का आयोजन 14-15 फरवरी को बठेना में

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम बठेना में नवयुवक मित्र मंडल द्वारा 14 और 15 फरवरी को दो दिवसीय भव्य जसगीत झांकी का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है।

मंडल के सदस्यों ने बताया कि इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदेश की प्रसिद्ध झांकी जसगीत मंडलियां अपनी प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम में आकर्षक झांकियों के माध्यम से देवी-देवताओं की कथाओं एवं लोक परंपराओं का मनोहारी चित्रण किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा मंच, प्रकाश एवं ध्वनि की विशेष व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है। नवयुवक मित्र मंडल ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

शिकायत के 3 महीने बाद कृषि उपज मंडी बसना की होगी जाँच-महेंद्र साव

बसना (समय दर्शन)। बसना कृषि उपज मंडी मे मंडी शुल्क का हेरफेर कर शासन का लाखो रूपये का नुकसान करने की लिखित शिकायत डाकपत्र के माध्यम से प्रबंध संचालक छ.ग.राज्य कृषि विपणन बोर्ड रायपुर से की गई थी। जिस पर जाँच व सुनवाई 18 /2/2026 को कृषि उपज मंडी बसना रखी गयी हैं। तीन महीने बाद जाँच और सुनवाई होना जनता के हित मे है, जिससे भ्रष्ट अधिकारीयों मे भय होगा और किसी प्रकार के भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगा। जिसकी शिकायत की जा रही है, प्रशासन ने उसी को बनाया जांच अधिकारी। विज्ञप्ति में आवेदक महेन्द्र साव ने बताया कि,कृषि उपज मंडी बसना के अधिकारी की लिखित शिकायत मेरे द्वारा प्रबंध संचालक रायपुर, कलेक्टर महासमुंद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना को की गईं थी, जिस अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने कृषि उपज मंडी बसना के सचिव को ही जाँच अधिकारी बना कर पुरे मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया गया था। अब भी स्थानीय स्तर पर मंडी के अधिकारीयों की जाँच हो रही है ,जो समझ से परे है ? अगर उच्च स्तरीय जाँच होती तो, उक्त मामले मे संलिप्त भ्रष्टाचारी दोषी अधिकारी नहीं बचते।

संभागीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को

दुर्ग (समय दर्शन)। छ.ग. शासन, कौशल विकास तकनीकी शिक्षा रोजगार विभाग के निर्देशानुसार 14 एवं 15 फरवरी को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, दुर्ग एवं संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टोटयूट, कोहका भिलाई के संयुक्त तत्वाधान में सुबह 10 बजे से अपरान्ह 04 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया गया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र के उपसंचालक श्री वी.के. केडिया से मिली जानकारी अनुसार स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस मेले में 24 से अधिक नियोजकों द्वारा लगभग 6000 से अधिक पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। मेला में चयनित आवेदकों को रायपुर में 20 फरवरी को माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन के करकमलों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। इस मेले में शामिल होने वाले नियोजक संसुर स्पुष्टि इंडिया लिमिटेड, मुथुत माइक्रो लिमिटेड, क्रेश कोप लिमिटेड, शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड, टेक्नोटास्क बिजनेस सोलुशन, एस. आर. होस्पिटल, आयकॉन सोलर पावर, इस्टाकार्ट सर्विस, मिउरा इन्फ्रास्ट्रक्चर, सिम्पलेक्स, सुमित इन्फ्राकॉन, महावीर इन्फ्रा, स्कसईटेक, रालस आटोकार्ट, जेनस पावर, चौहान आटोमोबाइल आदि विभिन्न कंपनी शामिल है।

पढ़ाई छोड़ने का इरादा हुआ खत्म, अब रोज़ समय पर पहुंचती है स्कूल

सरस्वती सायकल योजना अब आसान हुई अदिति की शिक्षा की राह

मुंगेली(समय दर्शन)। सरकार की सरस्वती सायकल योजना छात्राओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव की सशक्त मिसाल बन रही है। इसी योजना के अंतर्गत शासकीय कन्या स्कूल, मुंगेली की कक्षा नवमी की छात्रा अदिति कुर्रे को नि:शुल्क सायकल प्रदान की गई, जिसने उसकी पढ़ाई की राह को आसान और सुरक्षित बना दिया। घर से स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण अदिति कुर्रे को रोज़ाना आना-जाना कठिन हो गया था। समय की कमी, थकान और रास्ते की परेशानियों के चलते उनके मन में कई बार पढ़ाई छोड़ने का विचार भी आया। लेकिन सरस्वती सायकल योजना के तहत मिली

सायकल ने उनकी मुश्किलों को दूर कर दिया।

अदिति कुर्रे ने बताया कि अब वह कम समय में, बिना थके और सुरक्षित तरीके से स्कूल पहुंच पा रही हैं। सायकल मिलने से न सिर्फ आने-जाने में सुविधा हुई है, बल्कि पढ़ाई के लिए समय भी बढ़ गया है। अब वह पूरे मन से विद्यालय जाती हैं और नियमित रूप से कक्षाओं में शामिल हो रही हैं। अदिति के परिवार ने भी इस योजना के लिए शासन का आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि यह सायकल केवल एक साधन नहीं, बल्कि उनकी बेटी के उज्वल भविष्य की ओर बढ़ाया गया मजबूत कदम है। जिला शिक्षा अधिकारी एल.पी.डाहिरे ने बताया कि जिले के तीनों विकासखण्डों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 अंतर्गत 05 हजार 274 सायकल वितरण का लक्ष्य रखा गया था। लक्ष्य के अनुरूप शतप्रतिशत सायकल वितरण कर छात्राओं को लाभान्वित किया जा चुका है।

बैगा ग्राम राजक में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर आयोजित

68 से अधिक मरीजों की जांच कर दी गई दवा और परामर्श

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले के लोरमी विकासखण्ड स्थित दूरस्थ वनांचल बैगा ग्रामों में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान गांव के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई एवं परामर्श दिया जाता है। इसी कड़ी में बैगा ग्राम बोईरहा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक गिरीश कुर्रे के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 68 से अधिक मरीजों की जांच की गई, जिसमें संदेहास्पद टीबी के 08, सर्दी-खांसी के 19, दाद,खाज,खुजली के 05, बुखार के 07, बीपी के 02, हाथ-पैर दर्द के 10, कमजोरी के 08, आंख संबंधी बीमारी के 01 मरीजों सहित अन्य 08 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। जिला क्षय-कुष्ठ उन्मूलन अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में संदेहास्पद टीबी मरीजों की बलगम सीसीनॉट मशीन में जांच के लिए एकत्र किया गया।

जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने व जल का महत्व बताने जल अर्पण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ग्राम लिम्हा में जल के संरक्षण हेतु लिया गया सामूहिक संकल्प

मुंगेली(समय दर्शन)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और ग्रामीणों को जल का महत्व बताते हुए सामूहिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत लिम्हा में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोज किया गया। कार्यक्रम में मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहल कुन्दन कुमार, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, जनपद पंचायत मुंगेली के अध्यक्ष रामकमल सिंह सहित

स्थानीय जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। इस दौरान धरमपुरा, गीधा, लिम्हा, लिलवाकापा और सिंगबांधा ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन का कार्य पूर्ण होने पर के सरपंचों को हस्तांतरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की गई। इसके पश्चात राष्ट्रगीत वंदे मातरम व छत्तीसगढ़ की अस्मिता के प्रतीक राज्यगीत अरपा पैरी के धार का सामूहिक गायन हुआ, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना से सराबोर हो गया। इसके पश्चात विधायक मोहले ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जल संरक्षण को सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जल है तो कल है, और प्रत्येक नागरिक को जल के प्रति संवेदनशील बनना होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने पानी को बचाने ग्रामीणो को प्रेरित किया।

कलेक्टर ने कहा कि जल ही जीवन है, जल के बिना जीवन सम्भव ही नहीं है, इसलिए जल को बचाना बहुत आवश्यक है। उन्होंने मोर गाँव-मोर पानी महाअभियान की जानकारी दी और ग्रामीणों को जल के संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए जल का दुरूपयोग नहीं करने समझाइश दी। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि नरेगा योजना के अंतर्गत सैंड फिल्टर, आजीविका डबरी, सोखता गड्ढा, वर्मी कम्पोस्ट, नाडेप गड्ढा, वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं एवं भवनों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्यों को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जल समितियों एवं सक्रिय ग्रामीणों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भवन निर्माण स्वीकृत कही और का कराया जा रहा कहीं और

आंगन बाड़ी भवन के निर्माण और स्थान दोनों में घोटाले, ग्रामीणों ने किया हल्ला बोल

कोरबा/पोड़ी उपरोड़ा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत लेपरा में आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत में घोटाले देखने को मिल रहे हैं स्थानिक ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत लेपरा के सरपंच कुमारी चंद्रकला पोर्ते द्वारा लेपरा के आश्रित मोहल्ला मुड़ढक्की के आंगनवाड़ी भवन को मुड़ढक्की में ना बनाकर ग्राम चुनभट्टी में बनाया जा रहा है निर्माण कार्य चालू होने के बाद ग्राम पंचायत के सभी लोगों को जब जानकारी मिली तो सभी ग्राम वासियों ने सरपंच के पास जाकर अपनी बात रखी जिसे सुन सरपंच कुमारी चंद्रकला पूर्ति ने कहा आप लोग के मोहल्ले में जनसंख्या कम है जिसमें बच्चों की संख्या कम होने के कारण आंगनवाड़ी भवन चुनभट्टी में ही बनेंगा। जिसे सुन कर ग्रामीणों का कहना है ग्राम मुड़ढक्की की कुल जनसंख्या 100 है जिसमें छोटे बच्चों की संख्या 12 से 15 है और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा किए गए सर्वे में कुल बच्चे दो बताया गया है जिसमें ग्रामीणों ने सरपंच की अनदेखी बात सुनकर जनपद सीईओ से गुहार लगाया है मौके पर सीईओ ने सरपंच को बुलाकर ग्रामीणों के शिकायत पर काम बंद कराने का आश्वासन दिया। जनपद सीईओ ने ग्रामीणों से कहा सभी निर्माण कार्यों का अलग-अलग विभाग होता है जिसमें जब तक विभाग वाले आंगनवाड़ी भवन को कहां बनाया जाय इस बात को लेकर निर्णय नहीं ले लेते तब तक कार्य जो है स्थगित रहेगा ।

स्थानीय लोगों का कहना कि मुड़ढक्की के नाम से स्कूल पहले से ही बन चुका है इसलिए ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में आंगन बाड़ी भवन मोहल्ला मुड़ढक्की में ही बने । स्थानीय ग्रामीणों का यह भी कहना है कि सरपंच,सचिव के लापरवाही के कारण मुड़ढक्की मोहल्ले में बहुत से विकास ठीक से नहीं हो पा रहा है जिसके कारण आम जनता बहुत नाराज़ दिखाई दे रहे हैं । शासन के वास्तविक योजना का लाभ ग्राम के सरपंच एवं अन्य प्रतिनिधि ग्राम को नहीं दे पा रहे हैं । स्थानीय जनता का कहना है कि प्रतिवर्ष शासन ग्राम के विकाश के लिए लाखों रुपए ग्राम को दे रहा है लेकिन मुंह खोलकर भ्रष्ट सरपंच सचिव ग्राम की योजना यूं ही निगल जा रहें है केवल अपना फायदा देख रहे है ग्रामीणों के हित के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोच रहें है ।

लगभग दो पंच वर्षीय हो चुके सरपंच कु. चंद्रकला पोर्ते के भ्रष्ट गतिविधियों से जनता बहुत ज्यादा नाराज़ दिखाई दे रहें है । ग्रामीणों का कहना है सरपंच कु. चंद्रकला पोर्ते के कार्यकाल में कोई भी कार्य सही ढंग से नहीं हो रहा है । ग्राम के स्थानीय महिलाओं का कहना है कि कोई भी योजना का सही सही लाभ हम लोगों को नहीं मिल रहा है न पेंशन ना राशन, खाद्य सामग्री यानी राशन भी सही ढंग से हमें नहीं मिल रहा है इन सभी बातों को लेकर उन्होंने कहा कि आंगन बाड़ी भवन मोहल्ला मुड़ढक्की में ही बनना चाहिए नहीं तो उग्र आंदोलन करने के लिए ग्राम की जनता तैयार है।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन, ठाकुरटोला, राजनांदगांव में दिनांक 11 फरवरी व 12 फरवरी 2026 को दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

प्रथम दिवस का का कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं राजकीय गीत के साथ किया गया। तत्पश्चात महाविद्यालय कि प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं बल्की अनुशासन टीम भावना एवं नृतत्व कौशल का भी विकास करते है। उन्होंने विद्यार्थी को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अपनी भागीदारी के लिए प्रेरित किया तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाये दी। तत्पश्चात अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें कबड्डी, क्रिकेट, गोला फेंक, दौड़, भाला फेंक खेलों का आयोजन किया गया। द्वितीय दिवस कैरम, चैस, व्हालीबाल, रिले रेस, क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 100 मीटर दौड़ ब्यास में प्रथम स्थान ईश्वर डीएलएड 1, द्वितीय स्थान चंद कुमार डीएलएड-1, 100 मीटर दौड़ गर्ल्स प्रथम स्थान सोनम बीएड-4 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान रीना बीएड-2 सेमेस्टर, गोला फेंक ब्यास में प्रथम स्थान दामेशवर, द्वितीय स्थान यशवंत, गोला फेंक गर्ल्स द्वितीय स्थान सपना, अंजली भाला फेंक ब्यास प्रथम स्थान दामेश्वर, बीएड-4 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान, तुपार बीएड-4 सेमेस्टर, कंचा दौड ब्यास प्रथम स्थान चेतन बीएड-4 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान अधारी डीएलएड-2, कंचा दौड़ गर्ल्स स्थान रीना कंवर बीएड-2 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान खुशी देवांगन डीएलएड-1, बैडमिन्टन गर्ल्स प्रथम स्थान अंजली डीएलएड-1 व निशा डीएलएड-1, द्वितीय स्थान प्रीती बीएड-4 सेमेस्टर, हिमानी बीएड-4 सेमेस्टर, चैस ब्यास प्रथम स्थान लाकेश्वर बीएड-4 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान गजेन्द्र डीएलएड-1, चैस गर्ल्स प्रथम स्थान आकाक्षा बीएड-2 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान श्वेता ठाकुर बीएड-4 सेमेस्टर, कैरम ब्यास प्रथम स्थान राहूल, पप्पू बीएड-4 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान तरूण, राममनोहर बीएड-2 सेमेस्टर, कैरम गर्ल्स प्रथम स्थान हिमानी, प्रीती बीएड-2 सेमेस्टर, द्वितीय स्थान सपना, राधिका बीएड-2 सेमेस्टर, रिलेरेस ब्यास प्रथम स्थान डोमेन्द्र, गजेन्द्र, चंद्रकुमार, कुलेश्वर डीएलएड-1, द्वितीय स्थान भानु, ईश्वर, सौरभ मनीप डीएलएड-2, क्रिकेट ब्यास प्रथम स्थान बी-2 सेमेस्टर टीम, क्रिकेट गर्ल्स प्रथम स्थान मोनिका टीम, द्वितीय स्थान निशा टीम, खो-खो गर्ल्स प्रथम स्थान टिकेश्वरी टीम, द्वितीय स्थान राधिका टीम, खो-खो ब्यास प्रथम स्थान शिवम टीम व द्वितीय स्थान लिकेश टीम, व्हालीबाल ब्यास प्रथम स्थान डीएलएड-1 टीम, कबड्डी ब्यास प्रथम स्थान डीएलएड-1 टीम, कबड्डी गर्ल्स प्रथम स्थान बीएड-4 सेमेस्टर टीम है।

अवैध महुआ शराब बनाने वालो के विरूद्ध विशेष अभियान चलाकर की गई कार्यवाही

थाना सिटी कोतवाली महासमुंद की कार्यवाही

महासमुन्द (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक महासमुंद के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों के विरूद्ध नकेल कसने लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के तहत् थाना महासमुंद क्षेत्र मे अवैध शराब बनाने वालों के खिलाफविशेष अभियान के तहत् कार्यवाही की गई है। आज के इस कार्यवाही में गिरफ्तार आरोपियों के नाम एवं आरोपियों से जप्त महुआ शराब सहित जुमला जप्ती की जानकारी इस प्रकार से है- दशरथ खड़िया पिता पीला राम खड़िया उम्र 22 साल निवासी लभरा कला के कब्जे से देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब 30 लीटर कीमती 6000 रूपये।

बाबुलाल खड़िया पिता अमासु खड़िया उम्र 56 साल निवासी लभरा कला के कब्जे से देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब 25 लीटर कीमती 5000 रूपये। नंद कुमार कमार पिता घसिया कमार उम्र 25 साल निवासी लभरा कला के कब्जे से देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब 24 लीटर कीमती 4800 रूपये। नंद कुमार खड़िया पिता बैशाखु राम खड़िया उम्र 40 साल निवासी लभरा कला के कब्जे से देशी हाथ भट्ठी महुआ शराब 21 लीटर कीमती 4200 रूपये।

अंबेडकर चौक से समनापुर पुल तक बनेगी सड़क और सामुदायिक भवन का होगा निर्माण

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शहर विकास के लिए रखी 2.80 करोड़ के निर्माण कार्यों की आधारशिला

कवर्धा (समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कवर्धा नगर के विकास को नई गति देते हुए 12 फरवरी को कुल 2 करोड़ 80 लाख रुपए के निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर अंबेडकर चौक से समनापुर पुल तक बी.टी. रोड एवं नाली निर्माण तथा लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि नगर के विकास के लिए सड़क, नाली और सामुदायिक भवन जैसे मूलभूत कार्य अत्यंत आवश्यक हैं। अंबेडकर चौक से समनापुर पुल तक लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपए की लागत से बी.टी. रोड एवं नाली का निर्माण किया जाएगा, जिससे आवागमन सुगम होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। वहीं लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास 20 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण होगा, जिससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि नगर के सर्वांगीण विकास के लिए आधारभूत संरचनाओं को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने मोहल्लावासियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से निर्माण कार्य जल्द पूरा होगा। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को नि:शुल्क गैस सिलेंडर एवं चूल्हा वितरित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों के लिए आवास स्वीकृत होने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। उन्होंने बताया कि जो लोग जिस स्थान पर काबिज हैं और वहां समेकित कर, बिजली बिल तथा संपत्ति कर जमा कर रहे हैं या जिनके पास पुराना पट्टा है लेकिन उसका नवीनीकरण नहीं हुआ है, ऐसे सभी पात्र लोगों का प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया जाएगा। नगर पालिका द्वारा उन्हें कब्जे का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद आवास की स्वीकृति में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष को कहा कि ऐसे सभी लोगों को शीघ्र प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों को 2 लाख 36 हजार रुपए की सहायता दी जाएगी, जिससे वे अपने अनुरूप बेहतर घर बना सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अंबेडकर चौक के पास 30 लाख रुपए की लागत से सियान सदन बनाया जाएगा, जहां वरिष्ठ नागरिक बैठकर समय व्यतीत कर सकेंगे। जरूरत पड़ने पर उन्हें घर से लाने-ले जाने की व्यवस्था भी की जाएगी। शहर के सभी प्रमुख चौकों के सौंदर्यीकरण के लिए भी 20-20 लाख रुपए की स्वीकृति मिलने वाली है, जिसमें गाडगे जी, सहस्त्रबाहु जी, सेन जी और महाराज करपात्री जी महाराज से जुड़े चौकों का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही कवर्धा कॉलेज परिसर में 4.5 करोड़ रुपए की लागत से नालंदा परिसर के रूप में आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जा रही है। भोजली तालाब के समीप हनुमंत वाटिका का निर्माण किया जा चुका है, वहीं घोटिया क्षेत्र में 354 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेज भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। रायपुर-बिलासपुर मार्ग के 7.8 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन बनाते हुए कवर्धा एंट्रेंस का विकास किया जाएगा।

खबर-खास

पहले रिजेक्ट कर फिर उसी धान को खरीद बीज निगम विभाग की लापरवाही उजागर

बालोद (समय दर्शन)। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को ले कर जहां लगातार किसान परेशान हुए है वहीं दूसरी ओर बीज निगम और किसान की मिलीभगत से पूरा प्रशासन हिल गया है बीज निगम द्वारा रिजेक्ट किए गए धान को न केवल खरीदी केंद्र में खपा दिया गया, बल्कि उसी रिजेक्ट माल के बदले किसान के खाते में लाखों रुपये का भुगतान भी करा दिया गया। इस पूरे मामले का खुलासा होने के बाद कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने बीज प्रक्रिया केंद्र झलमला की जिला प्रबंधक माधुरी बाला को कारण बताओ नोटिस भी जारी कर जवाब मांगा है । जिससे बड़ी प्रशासनिक कार्यवाही होने से नजर अंदाज नहीं किया जा सकता।

रिजेक्ट धान का खेल और लाखों का भुगतान जांच में सामने आया कि 10 दिसंबर 2025 को किसान जिला प्रबंधक को जारी नोटिस में 1263 बोरी धान बीज निगम में विक्री हेतु भेजा था। परीक्षण के दौरान 909 बोरी धान प्रमाणित नहीं पाया गया और उसे रिजेक्ट कर दिया गया। नियमत: यह धान वापस होना था, लेकिन इसे वापस करने के बजाय साठगांठ कर बीज प्रक्रिया केंद्र द्वारा धान फेल करने के बाद भी भुगतान करना और फिर शिकायत होने पर उसे वापस लेना, जिला प्रबंधक और किसान की संलिप्तता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। कलेक्टर ने इस पूरी प्रक्रिया को बेहद गंभीर माना है, क्योंकि रिजेक्ट धान की जानकारी सोसाइटी को होने के बावजूद उसकी दोबारा खरीदी की गई। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने नोटिस में स्पष्ट पूछा गया है कि जब धान रिजेक्ट हो चुका था, तो भुगतान क्यों किया गया और उसे वापस क्यों नहीं किया गया? अब प्रशासन की नजर उन कड़ियों पर है जिन्होंने इस फर्जीवाड़े में किसान का साथ दिया। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि धान रिजेक्ट होने के बावजूद, 24 दिसंबर को जिला प्रबंधक द्वारा किसान के खाते में 11 लाख 40 हजार 200 रुपये का भुगतान कर दिया गया।

महाशिवरात्रि के अवसर पर ग्राम कामठी में पंडरिया विधायक भावना बोहरा संग श्रद्धालु 151 पार्थिव शिवलिंग में एक साथ करेंगे रुद्राभिषेक

कवर्धा (समय दर्शन)। इस वर्ष 15 फ़रवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा शिवभक्तों के लिए विशेष आयोजन किया गया है। पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में 151 पार्थिव शिवलिंग में हजारों विवाहित जोड़ें और श्रद्धालु एक साथ पुरे विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ भगवन भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करेंगे और अपने परिवार के साथ-साथ पंडरिया विधानसभा एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रगति एवं सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। इस पुण्य अवसर पर शामिल होकर रुद्राभिषेक करने हेतु विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं को अपना पंजीयन कराना होगा जिसके लिए वे अपनी नजदीकी जनसेवा ही भावना सेवा सुविधा केंद्र (विधायक कार्यालय) से पंजीयन पत्र प्राप्त कर उसमें उल्लेखित जानकरी दर्ज कर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

रुद्राभिषेक के पश्चात् पुरे विधि-विधान के साथ पार्थिव शिवलिंग का प्रवाह संस्कार किया जाएगा। इस अवसर पर भंडारा एवं महाप्रसादी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया है। इस आयोजन को लेकर जनता में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है और अब तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपना पंजीयन कराया है।विदित हो कि पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा निरंतर सनातन संस्कृति के प्रसार हेतु धार्मिक आयोजन एवं पद यात्रा किये हैं।

रायपुर में मनरेगा संशोधन के खिलाफयुवा महापंचायत, विशु अजमानी सहित राजनांदगांव के युवा शामिल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मनरेगा में प्रस्तावित संशोधनों के खिलाफ रायपुर में युवा कांग्रेस के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक युवा महापंचायत ने प्रदेश की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार किया।

इस विशाल आयोजन में छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से हजारों युवाओं ने भाग लेकर रोजगार, अधिकार और सामाजिक न्याय के मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की महापंचायत में विशु अजमानी के साथ राजनांदगांव से पहुंचे युवाओं की सक्रिय और जोशीली भागीदारी विशेष रूप से चर्चा का विषय रही। इस महत्वपूर्ण अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, नेता प्रतिपक्ष

चरणदास महंत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, भिलाई विधायक देवेंद्र यादव एवं पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष आकाश शर्मा के नेतृत्व में यह महापंचायत ऐतिहासिक रूप से सफल रही।

इस ऐतिहासिक महापंचायत में एआईसीसी सचिव एवं भिलाई विधायक देवेंद्र यादव की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, उनके मार्गदर्शन और सहयोग से राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब से युवाओं की मुलाकात संभव हुई। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने, युवाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाने तथा मनरेगा संशोधन के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया।

अहिवारा विधानसभा में बिना हेलमेट मिल रहा पेट्रोल, कलेक्टर के आदेश की उड़ रही धज्जियां

अहिवारा (समय दर्शन)। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को पेट्रोल दिए जाने का मामला सामने आया है। जबकि अभिजीत सिंह द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए थे कि बिना हेलमेट किसी भी मोटरसाइकिल सवार को पेट्रोल न दिया जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि नियम का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई की जाएगी।

इसके बावजूद क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों पर खुलेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार हमारा ट्रांसपोर्ट शारदा पेट्रोल फ्यूल, जिओ पेट्रोल पंप, वर्धमान पेट्रोल, बाफ्ना फ्यूल्स पथरिया ,सहित अन्य पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट बेधड़क पेट्रोल दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि बिना हेलमेट वाहन चलाने से दुर्घटना की स्थिति में सिर में गंभीर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने यह नियम लागू किया था, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

अहिवारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि आदेश की अवहेलना करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफजांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। प्रशासनिक निर्देशों के बावजूद यदि नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो यह जांच का विषय बनता है। सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। दिव्य एवं अलौकिक शक्ति केंद्र ओम शांति भवन रानीपरतेवा में त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर यह उद्गार राजयोगी ब्रह्मा कुमार श्रवण कुमार ने कहा कि आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना निराकार प्रकाश स्वरूप पारलौकिक पिता शिव परमात्मा ने प्रजापिता ब्रह्मा के सरकार माध्यम से सृष्टि के प्रारंभ से पूर्व पुरुषोत्तम संगम युग में किया था जिसके परिणाम स्वरूप भारत भूमि में देवी देवताओं का कर्तव्य भूमि,लीला भूमि रही है ।उस समय एक धर्म, एक भाषा,एक संस्कृति और एक ही दैवी देवताओं वाला कुल था कालांतर में समय परिवर्तन के साथ-साथ मध्यकाल में अनेक धर्म, अनेक भाषाएं और अनेक प्रथाएं प्रारंभ हो गई और दैवीय शक्तियां विलुप्त हो गईं जिससे समाज अलग अलग वर्गों और समुदाय में विभाजित हो गया।

मानव समाज से दैवीय मूल्य विलुप्त होने से चारों तरफ भय,अशांति और नफरत का माहौल हो गया है, दिनों दिन अपराध बढ़ते जा रहे हैं, मानव जीवन अनिश्चिता के दौर से गुजर रहा है ।यह धर्मग्लानि का समय है,चारों तरफधर्म के नाम से मारकाट मचा हुआ है ।जबकि धर्म का असली स्वरूप है-प्रेम, शांति,दया,क्षमा और परोपकार आज यह गुण लोप हो गया है और आज आसुरी अवगुणों ने उनका स्थान ले लिया है, परिणाम स्वरुप यह संसार जैसे नरक बन चुका है ।यह समय हीरे तुल्य है जबकि जगत नियंता पारलौकिक शिव पिता परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा के साकार तन में सनविष्ट होकर सृष्टि नवनिर्माण का दिव्य एवं अलौकिक कर्तव्य करते हुए 90 वर्ष हो चुके हैं, जिसकी वर्षगांठ हम 90 वीं शिव अवतरण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने जन समुदाय का आवाहन करते हुए कहा यह समय आध्यात्मिक जागृति का है इसलिए इस समय को पहचानो अपने जीवन के महत्व को समझो और परमात्मा शिव द्वारा दिए जा रहे श्रीमत अनुसार श्रेष्ठ कर्म कर अनेक जन्मों के लिए श्रेष्ठ भाग्य बनाने का समय है।

याद रखो-अभी नहीं तो कभी नहीं।

सुख,शांति एवं संपत्ति आपका ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार है।

उक्त अवसर पर संस्था की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अफसाना वंदना बहन जी ने पारलौकिक शिव पिता परमात्मा को भोग स्वीकार कराई,तत्पश्चात शिव ध्वजारोहण किया गया। पूर्व जनपद पंचायत छुरा के पूर्व जनपद सदस्य नीलकंठ सिंह ठाकुर ने भी अपने प्रेरणादाई विचार रखें ।साथ ही पुनीत राम ठाकुर ने भी अपने विचार रखें। उक्त कार्यक्रम में ग्राम पटेल साधुराम निषाद, दुखु राम बघेल,मधुसूदन साहू,माखनलाल कश्यप, सुलोचना,दुर्गा सिंहा,केवरा सोनी के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामवासियों के अलावा रायपुर,फिंगेश्वरी, कसेकेरा,अकलवारा के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के सुचारू संचालन में ओम शांति भवन के संचालक बीके योगेश कुमार। कुंजरानी निषाद, वंदना कंवर,लता नेताम,भारती कुंभकार,कांति दीवान,कुसुम कुंभकार,कृतिका कुंभकार, कुलसिया ध्रुव,जगबाई कंवर,निरंजन कुंभकार,भुनेश्वर ध्रुव ने सहयोग दिया।

ठगड़ा बांध को सिग्नेचर पर्यटन स्थल के रूप में किया गया विकसित,निविदा प्रक्रिया से पारदर्शी संचालन व्यवस्था लागू

10 प्रवेश शुल्क से सुरक्षा व सुविधाओं का रखरखाव

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम, दुर्ग शहरवासियों के मनोरंजन, सुविधा एवं पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। ठगड़ा बांध के सौंदर्यीकरण एवं संचालन को लेकर हाल ही में प्रकाशित समाचारों के संदर्भ में निगम प्रशासन निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट करना आवश्यक समझता है।

जन-सुविधा एवं पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल

ठगड़ा बांध का सौंदर्यीकरण दुर्ग शहर के लिए एक सिग्नेचर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य शहरवासियों को अपने ही शहर में सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्राकृतिक वातावरण में पिकनिक एवं मनोरंजन की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता न पड़े और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिले।

नियमों के तहत पारदर्शी संचालन व्यवस्था

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी पूर्णत: पारदर्शी निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के माध्यम से एक निजी एजेंसी को सौंपी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य परिसर की नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, हरियाली का संरक्षण तथा आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही एजेंसी द्वारा नगर निगम को वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया जा रहा है, जिससे निगम के राजस्व में वृद्धि हो रही है और उक्त राशि का उपयोग अन्य जनहित कार्यों में किया जाएगा।

ठगड़ा बांध परिसर में लिया जा रहा 10 का नाम मात्र प्रवेश शुल्क सुरक्षा व्यवस्था, बागवानी के रखरखाव, लाइटिंग, पौधारोपण एवं नियमित साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने हेतु लिया जाता है। इससे सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होती है तथा असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी नियंत्रण रहता है ।ठगड़ा बांघ पिकनिक में पार्किंग शुल्क नही लिया जाता है। गहरीकरण कार्य के दौरान निकली मुरुम एवं अन्य सामग्रियों के निष्पादन में सभी शासकीय नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया गया है। पूर्व में प्राप्त शिकायतों के संबंध में वर्तमान प्रशासन द्वारा फाइलों की समीक्षा की जा रही है। नगर निगम का स्पष्ट रुख है कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अहिवारा विधानसभा में बिना हेलमेट मिल रहा पेट्रोल, कलेटर के आदेश की उड़ रही धज्जियां

अहिवारा (समय दर्शन)। अहिवारा विधानसभा क्षेत्र में बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को पेट्रोल दिए जाने का मामला सामने आया है। जबकि अभिजीत सिंह द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए सख्त निर्देश जारी किए गए थे कि बिना हेलमेट किसी भी मोटरसाइकिल सवार को पेट्रोल न दिया जाए। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया था कि नियम का उल्लंघन करने वाले पेट्रोल पंपों पर कार्रवाई की जाएगी।

इसके बावजूद क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों पर खुलेआम नियमों की अनदेखी की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार हमारा ट्रांसपोर्ट शारदा पेट्रोल फ्यूल, जिओ पेट्रोल पंप, वर्धमान पेट्रोल, बाफ्ना फ्यूल्स पथरिया ,सहित अन्य पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट बेधड़क पेट्रोल दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि बिना हेलमेट वाहन चलाने से दुर्घटना की स्थिति में सिर में गंभीर चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है। आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए प्रशासन ने यह नियम लागू किया था, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

अहिवारा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि आदेश की अवहेलना करने वाले पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफजांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। प्रशासनिक निर्देशों के बावजूद यदि नियमों का पालन नहीं हो रहा है तो यह जांच का विषय बनता है। सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

शिक्षकों व कर्मचारियों की लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं पर विस्तृत चर्चा

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर के नेतृत्व में फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने आज घर सेवा के पूर्व विधायक देव जी भाई पटेल के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से शिष्टाचार भेंट कर शिक्षकों व कर्मचारियों की लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते हुए मुख्य रूप से वेतन विसंगति के मोदी की गारंटी के अंतर्गत प्रदेश के सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति के समाधान, पूर्व सेवा गणना कर, क्रमोंन्नत,पूर्ण पेंशन की बहाली तथा शिक्षकों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्राथमिकता से हल करने की मांग रखी।

फेडरेशन अध्यक्ष श्री राठौर ने कहा कि प्रदेश के हजारों शिक्षक व कर्मचारी वर्षों से वेतन असमानता और पूर्व सेवा गणना के अभाव में आर्थिक व मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोदी की गारंटी के अंतर्गत कर्मचारियों को जो आश्वासन दिए गए थे, उनके शीघ्र क्रियान्वयन से कर्मचारियों में विश्वास एवं उत्साह का वातावरण बनेगा।

उन्होंने यह भी मांग की मोदी के गारंटी में शामिल सहायक शिक्षकों के वेतन विसंगति का हल पूर्व सेवा की गणना करने से निकल सकता है, इसमें क्रमोंन्नति एवं पेंशन का भी लाभ शिक्षकों को मिलेगा, रविंद्र राठौर ने अभी सलाह दिया कि आप चाहे तो पदोन्नति जैसे रिलैक्सेशन दे लेकिन सीनियर शिक्षकों को वेटेज का लाभ देते हुए इस विसंगति को दूर कर सकते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े विषय संवेदनशील हैं तथा नियमानुसार उचित मंच पर विचार-विमर्श कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। रमन सिंह से शिष्टाचार भेंट मुलाकात व मीटिंग मेरविन्द्र राठौर (प्रांताध्यक्ष), राजू टण्डन (सचिव), देवेन्द्र हरमुख (उपाध्यक्ष), शेषनाथ पाण्डे (कोषाध्यक्ष) और मनीष मिश्रा (संयोजक) मुख्य पदों पर कार्यरत हैं। संस्थापक सदस्यों में बसंत कौशिक,रंजीत बैनर्जी, अश्वनी कुर्रे,सी. डी. भट्ट का नाम शामिल है, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्री सिराज बक्श, कौशल अवस्थी, व संगठन की अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रुपिका रानी मरकाम (प्रांतीय प्रवक्ता), श्रीमती बुधनी अजय (प्रदेश संयुक्त सचिव) और श्रीमती बरखा शर्मा (प्रदेश कार्यकारिणी) शामिल हैं।

करोड़ों के बजट में आदिवासी बच्चों की बदहाली क्यों?

बड़े गोबरा आश्रम में छात्र की मौत से मचा हड़कंप, लापरवाही पर घिरी सरकार

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के मैनपुर स्थित बड़े गोबरा आदिवासी बालक आश्रम में अध्ययनरत एक छात्र की दर्दनाक मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है ।इस गंभीर घटना के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की जिला इकाई द्वारा गठित जांच कमेटी ने जब स्थल निरीक्षण किया तो जो सच्चाई सामने आई,उसने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए।

जांच टीम ने पाया कि आश्रम में बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल की समुचित व्यवस्था ही नहीं है। करोड़ों रुपये के बजट के बावजूद न तो आरओ मशीन उपलब्ध है और न ही पर्याप्त जल शुद्धिकरण सुविधा ।आश्रम भवन जर्जर स्थिति में है ।बरसात के दौरान छत से पानी टपकता है, जिससे बच्चों के रहने की स्थिति बेहद खराब हो जाती है। छात्रों को दिए जाने वाले चादर, कंबल और गद्दे भी निम्न स्तर के पाए गए।

जांच में यह भी सामने आया कि बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण नहीं हो रहा। चिरायु दल की रिपोर्ट में लगातार खुजली और दूषित पानी की समस्या दर्ज होने के बावजूद कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया ।यह लापरवाही सीधे तौर पर बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन के साथ खिलवाड़ मानी जा रही है।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आदिवासी विकास के नाम पर करोड़ों खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर बच्चों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रहीं। दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी।

आश्रम अधीक्षक की जिम्मेदारी 24 घंटे की उपस्थिति की है, लेकिन जांच में उनकी मौजूदगी सीमित समय तक ही पाई गई। इससे प्रशासनिक निगरानी पर भी गंभीर प्रश्न उठे हैं ।जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जांच प्रतिवेदन के साथ अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में संजय नेताम, रामकृष्ण ध्रुव,गेंदू यादव और छगन यादव सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे।

कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि आदिवासी विद्यार्थियों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा की लड़ाई अंतिम निर्णय तक जारी रहेगी ।करोड़ों के बजट, योजनाओं और घोषणाओं के बावजूद यदि आदिवासी आश्रमों में बच्चों को पानी, स्वास्थ्य और सुरक्षित आवास तक नसीब नहीं—

तो जिम्मेदार कौन?और कब होगी जवाबदेही तय?

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष-0788-2210876

दुर्ग, दिनांक 06.02.2026

(ई प्राक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 26.02.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
337/185295	शासकीय डॉ. वामन वासुदेव महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में गर्ल्स हॉस्टल का रिनोवेशन कार्य	20.65
338/185296	जिला न्यायालय बेमेतरा में पुरूष एवं महिला के लिए शौचालय निर्माण कार्य	15.59
339/18597	कवर्धा जिला कबीरधाम स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज में मोटर साइकिल/कार स्टैण्ड,साइकिल स्टैड का निर्माण, गर्ल्स हॉस्टल और मुख्य भवन के सड़क किनारे पेवर ब्लॉक लगाना, मुख्य भवन के पीछे तार फेसिंग गर्ल्स हॉस्टल और बाहरी हिस्से में पेवर ब्लॉक और बाहरी हिस्से में व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग कार्य	33.23
340/185298	जिला बेमेतरा के पतोरा से नवागांव मार्ग लं. 0.875 कि.मी.का निर्माण कार्य	86.34
341/185299	शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय में सीमेंटीकरण का कार्य	13.82

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्या की निविदा की सामान्य शर्ते,विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।

2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवाय रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षक अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग, मण्डल दुर्ग

जी-252606643/2

परीक्षार्थी समस्याओं से डरें नहीं, बल्कि डटकर सामना करें - प्राचार्य

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ शासकीय हाई स्कूल गौरमाटी में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत एवं आशीर्वाद समारोह हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती के छायाचित्र का पूजन-अर्चन एवं वंदना के साथ हुआ। पश्चात् कक्षा नवमी के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं दसवीं के विद्यार्थियों का गुलाल और पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। शिक्षकों ने भी कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर उज्जवल भविष्य का आशीर्वाद दिया। स्वागत भाषण कक्षा नवमी के छात्रा श्रेया शुक्ला एवं प्राची साहू द्वारा किया गया। कक्षा दसवीं के विद्यार्थी प्रतीक्षा राजपूत, तोमेंश्वरी साहू, चांदनी नेताम, नमन साहू, विवेक जांगड़े, पीयुष साहू ने अपने-अपने अनुभवों विचारों को साझा करते हुए विद्यालय में व्यतीत हुए याद करते हुए समय को याद किया। कार्यक्रम को आशीर्वचन के रुप में संस्था के प्राचार्य कृष्ण कुमार वर्मा, व्याख्याता सरोज बाला बनाफर, दिनेश सोनी, एस कुमार मिर्चे, जयप्रकाश साहू, कीर्तन शुक्ला, मनीष वर्मा एवं अंकित साहू ने संबोधित किया। इस अवसर पर कक्षा दसवीं के समस्त विद्यार्थियों को प्राचार्य कृष्ण कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं एवं जीवन में सफलता हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

कक्षा नवमी के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा दसवीं के सभी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह स्वरूप पेन और फाईल भेंट किया गया। विद्यालय परिवार द्वारा समस्त विद्यार्थियों को स्नेह भोज में पूडी, हलवा एवं छोले परोसा गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

व्रत और पर्व को लेकर अब नहीं होगा तिथियों का भ्रम, तिथियों में एकरुपता लाने बनाया नया कैलेण्डर

मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग द्वारा अनूठी पहल, घर-घर नि:शुल्क बांटे जाएंगे कैलेण्डर

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग जिले के रहवासियों को व्रत और पर्व को लेकर तिथियों के भ्रम का अब सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके समाधान के तौर पर नवगठित मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग द्वारा तिथियों में एकरुपता लाने अनुठा पहल किया गया है। जिसके तहत सर्व प्रसारित देव पंचाग को आधार मानकर और दुर्ग जिले के प्रमुख विद्वान पंडितों के मार्गदर्शन में एक कैलेण्डर (व्रत-पर्व दिग्दर्शिका) तैयार कराया गया है। 4 माह में बना यह कैलेण्डर सन 2027 तक के लिए उपयोगी होगा। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कैलेण्डर में 12 महीनों के हिसाब से सभी व्रत और पर्व का उल्लेख है। जिससे विभिन्न कैलेण्डरों में तिथियों में विभिन्नता की वजह से व्रत और पर्व मनाने पैदा हो रही भ्रम की स्थिति से लोगों को छुटकारा मिलेगा। यह कैलेण्डर व्रत और पर्व की तिथियों में एकरुपता लाएगा, साथ ही दुर्ग जिले में व्रत और पर्व एक तिथि में ही मनने से लोगों में दुगुनी खुशियों का संचार होगा। अपने तरह के अनुठे कैलेण्डर (व्रत-पर्व दिग्दर्शिका) का समिति द्वारा विधिवत् विमोचन भी कर दिया गया है। समिति द्वारा यह कैलेण्डर प्रारंभिक चरण में 5 हजार लोगों को नि:शुल्क बांटे जाएंगे। इसके अलावा आगामी दिनों में कैलेण्डर हिन्दू समाज के लोगों के घर-घर तक पहुंचाने का समिति द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह बातें पंडित जय शर्मा (चंडी मंदिर), पंडित संतोष पाठक (राम मंदिर गांधी चौक), कथावाचक पंडित मनोज पांडेय, पंडित डॉ. निलेश शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान नवगठित मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति दुर्ग के अध्यक्ष मंगल प्रसाद गुप्ता, सचिव संजय साहू, सदस्य मुकेश राठी, रघुनंदन उजाला, कमल सोनी, कमल विस्वाल, सुनील शर्मा, दिलीप गुप्ता, सुदीप सनातनी, अधिवक्ता आशीष शर्मा, अखिलेश अग्रवाल, विनोद देवांगन व अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। चर्चा में मठ-मंदिर संरक्षण एवं सेवा समिति के अध्यक्ष मंगल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि विभिन्न कैलेण्डरों के तिथियों में भिन्नता की वजह से दीपावली, होली व अन्य बड़े त्यौहार व व्रत को लेकर हिन्दू समाज में भ्रम की स्थिति पैदा होते आई है। इन व्रत और पर्व की तिथियों में एकरुपता लाने समिति द्वारा कैलेण्डर तैयार करवाया गया है। यह कैलेण्डर पंडित जय शर्मा, पंडित संतोष पाठक, पंडित मनोज पांडेय, पंडित डॉ. निलेश शर्मा के मार्गदर्शन में बनाया गया है। इसके अलावा राधाकृष्ण मंदिर के पंडित रहे स्व. पवन द्विवेदी ने भी कैलेण्डर निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। श्री गुप्ता ने बताया कि कैलेण्डर निर्माण में जिले के मंदिरों के पंडित व व्यवस्थापकों की भी राय ली गई है।

संक्षिप्त-खबर

मोटी रकम देकर अभियुक्त बनने से बच गए डॉक्टर, इसे कहते हैं संस्कार

बिलासपुर (समय दर्शन)। संस्कार अस्पताल जिला बलौदा बाजार मे एक महिला की मृत्यु हुई मामला थाना गिधौरी में दर्ज हुआ जांच एजेंसी ने संस्थान से कागज तो सब जप्त किये पर उन दस्तावेजों से अपराध की जांच कम वसूली ज्यादा की गई।

पूरे प्रकरण में निष्पक्ष जांच होती तो सिम्स के दो डॉक्टरों का फसाना निश्चित था वे इस अस्पताल में हो रहे अनियमितताओं का मास्टरमाइंड है। पर उन्हें छोड़ एजेंसी ने अस्पताल संचालक, एंबुलेंस ड्राइवर जैसे पद पर कार्यरत लोगों को पड़कर अंदर कर दिया। कुछ वर्ष पूर्व ही जिन डॉक्टरों ने अपनी पढ़ाई पूरी की वह इतने योग्य और मेहनती है कि बिलासपुर सहित तीन जिलों के अस्पतालों को अपनी सेवा देते हैं। जब फास्ट हैं तो लेनदेन करके पूरे मामले को ठंडा करते हैं। संस्कार के मामले में भी चिकित्सक द्वय ने मोटी रकम दी.... और यह डील प्रभावित जिले के बाहर हुई है अर्थात जांच करने वाले ने चिकित्सक से यह रकम जिले की सीमा के बाहर ली है।

कलेक्टर श्री उइके के निर्देश पर खनिज विभाग की कार्रवाई तेज

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा 5 फरवरी से 11 फरवरी 2026 को तहसील छुरा अंतर्गत ग्राम खरखरा में 3, पंडरीपानी में 3, रसेरा में 3, मोंगरा में 2, पाटसिवनी में 2, नवापारा में 1, अवैध ईंट भटठा संचालनकर्ता को नोटिस देकर समक्ष जवाब प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया है। ग्राम पथरी में अवैध ईट भट्ठा का संचालन होना नही पाया गया एवं अन्य ग्राम नागिनबाहरा, कोसमी, चरौदा, खुडियाडीह का निरीक्षण किया गया। सभी अवैध उत्खननकर्ताओं पर छत्तीगसढ खनिज (खनन, परिवहन, तथा भण्डारण) नियम 2009 के तहत् एवं वाहनों पर खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम 1957 एवं छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के प्रावधानों के तहत् कार्यवाही की जायेगी। खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

सहायक शिक्षक पुरेन्द्र कुमार साहू को किया गया सम्मानित

अहिवारा (समय दर्शन)। स्वास्थ्य विभाग धमधा द्वारा दिनांक 11 फ़रवरी 2026 को आयोजित स्वस्थ पंचायत सम्मेलन एवं जनसंवाद समारोह में शासकीय प्राथमिक शाला मलपुरी कला के सहायक शिक्षक पुरेन्द्र कुमार साहू को उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों हेतु सम्मानित किया गया। आयोजित सम्मान समारोह में धमधा के ब्लॉक उत्कृष्ट कार्य करने वाले एक- एक चिकित्सक, शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व मितानिन को साजा विधानसभा के विधायक श्री ईश्वर साहू जी, श्री जितेन्द्र कुमार साहू (अध्यक्ष तेलघानी विकास बोर्ड छ ग शासन), श्रीमती सरस्वती बंजारे (अध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग), श्री लीमन साहू (अध्यक्ष जनपद पंचायत), श्रीमती स्वेता अग्रवाल (अध्यक्ष नगर पंचायत), सुश्री दामिनी साहू (अध्यक्ष सरपंच संघ) सहित अनेक जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

शिक्षक पुरेन्द्र कुमार साहू के इस उपलब्धि से ग्रामीण जन प्रतिनिधियों, शिक्षक समुदाय, छात्र छात्राओं, परिवार जनो व मित्र गणों के साथ साथ विद्यालय परिवार ने बधाई देते हुए उज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।

निर्वाचन कर्त्तव्यों के प्रति लापरवाही पर एक दिवस अवैतनिक

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने निर्वाचन कर्त्तव्यों के निर्वहन में घोर लापरवाही बरतने एवं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-20क तथा सिविल सेवा आचरण नियम-1965 में उल्लेखित प्रावधानों के विपरीत कार्य करने के कारण उप संचालक एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 65 भिलाई नगर श्री दीपक मिश्रा के माह फरवरी में वेतन भुगतान के एक दिवस को अवैतनिक किया है।

ज्ञात हो कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा विगत 31 जनवरी 2026 को आयोग के निर्देशानुसार अन-मैप्ड और लॉजिकल विसंगति के मामले में मतदाताओं को जारी किये नोटिस सुनवाई की तिथि के संबंध में समस्त ई.आर.ओ./ए.ई.आर.ओ. की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में श्री मिश्रा अनुपस्थित थे, साथ ही ई.आर.ओ. द्वारा दूरभाष पर संपर्क करने के बाद भी कार्य प्रारंभ नहीं करने पर जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हमें पंच से लेकर पार्लियामेंट तक हर चुनाव जीतने होंगे- अजय जम्वाल

भाजपा की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के नवीन कार्यकारिणी एवं विस्तार घोषणा के पश्चात जिला स्तरीय बैठक का आयोजन क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल के मुख्य उपस्थिति में जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई आयोजित बैठक में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, भाजपा दुर्ग संभाग प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, दुर्ग जिला संगठन प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा उपस्थित रहे आयोजित बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा एवं दायित्वधारी पदाधिकारी से दायित्व निर्वाह करने का आह्वान किया 7

आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि आप सभी को नई दायित्व प्राप्त हुआ है पर आप सभी को दायित्व का निर्माण संगठनात्मक दायरे में रहकर निर्वाह करना है इस बैठक में और सभागार में उपस्थित समस्त पदाधिकारी कोई ना कोई दायित्व में है और इस बैठक में हम सभी को यह संकल्प लेना है की अगली बार हमारी सरकार बने तो पूर्ण बहुमत की सरकार बने पिछले बार से भी ज्यादा सीट जीतकर हमारी सरकार आए इसका चिंतन हम सभी को करना है जिले का प्रत्येक पदाधिकारी संगठनात्मक संरचना में कहीं ना कहीं संगठन को मजबूत करने के लिए बूथ लेबल पर कार्यरत रहे इसका हमें चिंतन करना है श्री जम्वाल ने आगे कहा कि हम सभी को कभी भी कोई भी ऐसा कार्य नहीं करना है जिससे भारतीय जनता पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचे हम सभी को सर्वप्रथम राष्ट्रवाद की भावना को प्रथम रखना है द्वितीय पार्टी और तीसरा हम स्वयं इस भाव के साथ हमें लगातार कार्य करना होगा प्रत्येक कार्यकर्ता सोशल मीडिया के आपके इस्तेमाल को लेकर भी हम सभी को सदैव सजग रहना होगा आपकी जो भी पोस्ट हो या शेयर हो वह भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने वाला सरकार की छवि को और अच्छी बनाने वाला हो 7

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने आगे कहा कि आप सभी ने देखा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली सरकार की योजनाओं और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार की योजनाओं के माध्यम से हर घर में कोई ना कोई लाभांवित है हम उनसे मिलकर सरकार की योजनाओं की फीडबैक लेकर उनसे आवश्यक सुझाव लेकर अपने वरिष्ठ नेताओं को अवगत कराने का भी कार्य हमारा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए हमें लगातार पंच से लेकर पार्लियामेंट तक का हर चुनाव जीतना होगा ताकि हम इस लक्ष्य को प्राप्त कर सके और इस लक्ष्य की प्राप्ति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सके विकसित भारत 2047 का लक्ष्य प्राप्ति से हमारा देश फिर से विश्व गुरु बनेगा, फिर से सोने की चिड़िया कहलाएगा।

ग्राम पंचायतों को मिला अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बंटवारा का अधिकार

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले में राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब अविवादित नामांतरण तथा अविवादित बंटवारा से संबंधित कार्यों के अधिकार राजस्व विभाग के साथ-साथ ग्राम पंचायतों को भी प्रदान कर दिए गए हैं। इससे ग्रामीण स्तर पर ही लोगों के कार्य शीघ्रता से निपटाए जा सकेंगे। इस नई व्यवस्था के तहत अविवादित नामांतरण एवं अविवादित बंटवारा की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भुइयां पोर्टल के जरिए संपन्न की जाएगी।

संबंधित ग्राम पंचायतों को इसके लिए अलग-अलग आईडी और पासवर्ड प्रदान किए गए हैं, ताकि ग्राम पंचायत स्तर पर ही आवेदन प्राप्त करने से लेकर प्रक्रिया पूर्ण करने तक का कार्य सुचारू रूप से किया जा सके।

इसी क्रम में आज जिले की सभी ग्राम पंचायतों को आईडी एवं पासवर्ड उपलब्ध कराते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण साईंस कॉलेज स्थित सर्वपल्ली राधाकृष्णन हाल में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिवों को भुइयां पोर्टल के संचालन, ऑनलाइन प्रक्रिया एवं रिकॉर्ड अपडेट करने की विस्तृत जानकारी दी गई।

लोक सेवा केन्द्र से होगा आवेदन- अब आवेदक अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आवेदन दर्ज करा सकेंगे। विशेष रूप से फौती नामांतरण (मृत्यु उपरांत नामांतरण) एवं अविवादित बंटवारा की प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी।

भाजपा अजजा मोर्चा की नई कार्यसमिति का ऐलान, जमीनी मजबूती पर फोकस

तरूण ठाकुर बने उपाध्यक्ष, भाजपा जनजातीय मोर्चा ने भरी नई उड़ान

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की राजनीतिक गतिविधियों में नई ऊर्जा का संचार करते हुए भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला कार्यसमिति की औपचारिक घोषणा कर दी गई है। यह निर्णय प्रदेश नेतृत्व की अनुमति और जिला संगठन की सहमति से लिया गया, जिससे संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव तथा संगठन महामंत्री पवन साय के मार्गदर्शन में, साथ ही अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह की स्वीकृति के बाद नई टीम को अंतिम रूप दिया गया।जिला संगठन प्रभारी अमित चिमनानी और जिला अध्यक्ष अनिल चन्द्राकर की सहमति से मोर्चा जिला अध्यक्ष सियाराम ध्रुव ने कार्यसमिति का गठन किया।

नवगठित कार्यसमिति में तरूण ठाकुर (पप्पू ठाकुर) को उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकर्ताओं ने नई टीम का स्वागत करते हुए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने और जनजातीय समाज के मुद्दों को प्राथमिकता से उठाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर सहित सुरेंद्र सोंटेके, राधेश्याम सोनवानी, सागर मायणी, रितेश यादव, यश मिश्रा, विकास पांडे, प्रकाश राठौर, प्रतीक तिवारी, राज डे, अफरोज मेमन, शुभम सॉन्ग, भीम निषाद, भीम साहू, मानव निर्मलकर, अमित बखरिया, संजू कश्यप और अख्तर खान ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की एकजुटता पर बल दिया।

खबर का असर: प्रकाशन के तीन दिवस के भीतर बसना-पदमपुर मार्ग पर शुरू हुआ मरम्मत कार्य

बसना (समय दर्शन)। बसना से पदमपुर (उड़ीसा अंतराज्यीय सीमा) को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण अंतरराज्यीय मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर का त्वरित असर देखने को मिला। खबर प्रकाशन के मात्र तीन दिवस के भीतर ही सड़क मरम्मत एवं डामरीकरण कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि इस मार्ग पर बने बड़े एवं गहरे गड्ढों के कारण लगातार दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ रहा था और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 21 अंकोरी, प्रकाश सिन्हा ने 06 फरवरी को जिला कलेक्टर महासमुंद को पत्र लिखकर शीघ्र मरम्मत की मांग की थी। इसके बाद 10 फरवरी को समाचार पत्रों में यह मुद्दा प्रमुखता से प्रकाशित हुआ।समाचार प्रकाशन के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए मरम्मत कार्य प्रारंभ कराया गया। वर्तमान में ठेकेदार द्वारा सड़क पर बने गड्ढों को भरने एवं डामरीकरण का कार्य किया जा रहा है।

यह मार्ग कालकासा, अंकोरी, अंकोरी टांडा मार्ग एवं पलसपाली (अ) सहित उड़ीसा क्षेत्र के सैकड़ों गांवों को जोड़ता है, जहां से प्रतिदिन भारी संख्या में स्कूली बच्चे, किसान, मजदूर तथा दोपहिया-चारपहिया एवं भारी वाहन गुजरते हैं।

मरम्मत कार्य प्रारंभ होने पर क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर देखी गई। अंकोरी के ग्रामीणों में पूर्व जनपद सदस्य राजेंद्र डडसेना, सरपंच मिश्रा दीप, पूर्व सरपंच रविंद्र डडसेना, महेंद्र प्रधान, सोसायटी अध्यक्ष मुरलीधर नायक, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विनोद विशाल, हीरालाल साव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सभापति प्रकाश सिन्हा को बधाई एवं आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि समय रहते समस्या उठाए जाने से संभावित बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका अब कम होगी और आवागमन अधिक सुरक्षित बनेगा।

इस अवसर पर प्रकाश सिन्हा ने जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दिलाना उनका कर्तव्य है और क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान हेतु वे आगे भी निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा, सुकमा-1 में फुटबॉल फॉर स्कूल कार्यक्रम का सफल आयोजन

पेंटा/सुकमा (समय दर्शन)। पीएमश्री स्कूल, जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा, सुकमा-1 में आज फुटबॉल फॉन स्कूल (एफफॉर एस) कार्यक्रम के अंतर्गत फीफा द्वारा प्रदत्त फुटबॉल्स का वितरण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, टीमवर्क, अनुशासन तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित करना है।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य संजय मंडल की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य आकर्षण के रूप में सुदीप राजाराम वाकचुरे (द्वितीय कमान, 223 बटालियन) एवं सुखविंदर सिंह (सहायक कमांडेंट, 223 बटालियन) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास राव, कोंटा की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्प-गुच्छ एवं अभिनंदन के साथ स्वागत किया गया।

इस अवसर पर ईएमआरएस कोंटा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुब्बाटोटा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एर्राबोर, शासकीय माध्यमिक शाला पोलमपल्ली तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जगरगुंडा के प्रतिनिधि भी फुटबॉल प्राप्त करने हेतु उपस्थित रहे। सभी विद्यालयों को फीफा द्वारा प्रदत्त फुब्रॉल्स प्रदान किए गए, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखा गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफसदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें श्याम कुमार (पीजीटी गणित), श्रीमती सपना धीमन, सुश्री कृष्णा भलावी, अजय कुमार, कपिल कुर्वे (टीजीटी विज्ञान), अमन पंथी (टीजीटी हिन्दी), सोनू कुशवाह, मलय कुमार, वेदप्रकाश मिश्रा, संजय कवडे तथा वेदांत राय प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाते हैं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

प्राचार्य संजय मंडल ने फुटबॉल फॉर स्कूल, कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा विद्यालयों में खेल संस्कृति को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26